डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2021- 23
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 18 | अंक 54 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | रविवार 03 दिसम्बर 2023 | मूल्य 2 रुपया

हार्ट केयर
श्री सिद्धि विनायक
अब नियमित सेवाएं मंदसौर में उपलब्ध
हृदय रोगों के उपचार में अंचल का जाना पहचाना नाम
हृदय रोग विशेषज्ञ
डॉ. पवन मेहता
MBBS, M.D. (Medicine) I DM (Cardiology)
Consultant Interventional Cardiology
परामर्श समय -
प्रतिदिन प्रातः 10:00 से सायं 5:00 बजे तक
12, दशपुर कुंज रोड, सिविल हॉस्पिटल के सामने, मंदसौर (म.प्र.) 07422-490333

डरा रहा मलेरिया का नया वैरिएंट

बच्चों में तेजी से फैल रहा मच्छरों को भगाना जरुरी

रतलाम/मंदसौर, 2 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। इन दिनो मौसम में उतार चढ़ाव के साथ ही मच्छरों से सावधान रहने की जरूरत है। यदि आपके घरों में छोटे बच्चे है तो यह सतर्कता ज्यादा रखनी होगी। ऐसा इसलिए, क्योंकि मलेरिया ने अपनी मौजूदगी बता दी है। पिछले तीन दिनों में ही मलेरिया के सबसे खतरनाक वैरिएंट प्लाज्मोडियम फाल्सीपेरम के तीन मामलों की पुष्टि हो गई हैं। इसमें दो केस मंदसौर तो एक मामला रतलाम का है। प्लाज्मोडियम फाल्सीपेरम वैरिएंट को मलेरिया का सबसे खतरनाक वैरिएंट कहा जाता है। इसमें मरीज की हालत तेजी से खराब होती है। मौत होने तक की आशंका हो जाती है। मेडिकल कॉलेज की माइक्रोबायोलॉजी लैब में तीन दिन के अंतराल में ही इस वैरिएंट से संबंधित तीन मामले मिले है, जिसमें मंदसौर की 1 साल की बालिका, 2 साल की बालिका और रतलाम के 38 साल के पुरुष में पुष्टि की गई है।संबंधित अधिकारियों को भी इसकी जानकारी दे दी है। रतलाम और मंदसौर के एकसाथ मिले मामलों ने चौंकाया भी है।

दरअसल प्लाज्मोडियम फाल्सीपेरम को मलेरिया का घातक वैरिएंट कहा जाता है। मलेरिया के इस वैरिएंट के कारण पीडित व्यक्ति बेसुध की हालत तक पहुंच जाता है। मरीज को ठंड लगने के साथ ही सिरदर्द बना रहता है। लगातार उल्टियां होती रहती है, इससे मरीज की जान तक चली जाती है। प्लाज्मोडियम फाल्सीपेरम से संक्रमित व्यक्ति में मलेरिया के लक्षण आमतौर पर संक्रमण के 10 से 15 दिनों के बाद देखने को मिलते हैं। इन लक्षणों में बुखार, सिरदर्द, ठंड लगना, मांसपेशियों में दर्द और थकान शामिल है। मेडिकल कॉलेज के माइक्रोबायोलॉजी विभागाध्यक्ष के अनुसार पिछले 1 साल में मलेरिया के 12 मामले सामने आ चुके हैं। इसमें से 7 फाल्सीपेरम के केस है, तो 5 मामले प्लाज्मोडियम वाइवेक्स के है। 7 फाल्सीपेरम के मामलों में भी 3 राजस्थान और 4 मध्यप्रदेश के केस की पहचान हो सकी है। प्लाज्मोडियम वाइवेक्स के सभी मामले मध्यप्रदेश के ही है।

अब आज खुलेगा ईवीएम का.... तिलस्म

मंदसौर, 2 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। आखिरकार मतदान से 15 दिन के लंबे इंतजार के बाद आज 3 दिसंबर को ईवीएम में छुपा हुआ तिलस्म खुलकर बाहर आएगा। इसके चक्कर में अधिकांश उम्मीदवार शनिवार रात को ठीक से सो भी नहीं पाए। कोई करवट बदलता रहा तो कुछ देर तक समर्थकों के बीच बैठकर अपने आपको सामान्य रखने की कोशिश करते रहे। वहीं कुछ सामाजिक कार्यक्रमों में शामिल होकर अपने मन को लगाने का प्रयास करते रहे। शनिवार को दिन भर प्रशासन ने भी अपनी तैयारियों की समीक्षा की।

बता दे कि जिले में इस बार 82.73 प्रतिशत से ज्यादा मतदान हुआ है। जबकि, पिछली बार की बात करें तो औसत मतदान 81.4 प्रतिशत था। विधानसभा वार बात करें तो मंदसौर में 80.84 प्रतिशत, सुवासरा में 82.91 और गरोठ में 81.21 प्रतिशत मतदान हुआ है।

कुल 31 खिलाड़ी मैदान में...

जिले की चारों सीटों पर कुल 31 प्रत्याशी मैदान में हैं। मंदसौर और सुवांसरा विधानसभा में 9-9 प्रत्याशी हैं। जबकि, मल्हारगढ में 6 और गरोठ में 8 प्रत्याशी हैं। मल्हारगढ़ में कांग्रेस के बागी श्यामलाल जोकचंद भी मैदान में हैं। मल्हारगढ़ सीट के मौजूदा विधायक जगदीश देवडा बीजेपी के प्रत्याशी है, वहीं कांग्रेस से परशुराम सिसौदिया है। श्यामलाल जोकचंद के निर्दलीय होने से इस बार यहां त्रिकोणीय मुकाबला है। इसके अलावा सभी जगहों पर मुकाबला भाजपा और कांग्रेस के बीच ही माना जा रहा है।

नवमतदाता और महिला मतदाताओं की अहम भूमिका...

इस बार अधिकांश जगहों पर करीबी मुकाबला होने की संभावना है। संभावना है कि हार-जीत का अंतर कम होगा। मतलब इस बार नवमतदाता और महिला मतदाताओं का रूख सरकार और विधायक बनाएगा। इसका कारण है कि जहां नवमतदाताओं ने बंपर वोटिंग की। वहीं महिला मतदाता भी पीछे नहीं रही।

मतदाता शांत, उलझा हार-जीत का गणित...

हार-जीत का गणित ज्ञान और गुणा भाग करने वाले फिलहाल मतगणना के एक दिन पहले भी शांत नहीं बैठे। प्रत्याशी और उनके समर्थक अपनी-अपनी जीत को लेकर आश्वस्त है तो सट्टा बाजार का अपना अलग गणित है। इधर सभी एग्जिट पोल मिलाकर देखे तो जिले का गणित इससे पता नहीं चल पा रहा है।

डिजिटलाइजेशन पर पानी में बहाए करोड़ों रुपए

कहीं उपकरण सड़ गए तो कहीं ठेकेदार भाग गया

मंदसौर, 2 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। शासन ने ई गवर्नेंस के साथ ही डिजिटलाइजेशन को बढ़ाने के लिए विभिन्न विभागों में कई उपकरण लगाए थे। इसके द्वारा बच्चों को स्मार्ट क्लास में पढ़ाना था तो अस्पताल में टेली मेडिसिन के जरिए बड़े शहरों के चिकित्सकों से संपर्क कराना था। मंदसौर के बड़े अस्पताल में ही सौर ऊर्जा प्लेट लगाने के बाद ठेकेदार ही भाग गए। कुल मिलाकर स्थिति यह है कि विकास के नाम पर पानी की तरह बहाए गए करोड़ो रुपए बर्बाद हो गए।

नहीं बना पाए स्मार्ट...

सात साल पहले जिले में 30 स्कूलों को निजी स्कूलों की तर्ज पर स्मार्ट बनाने के लिए सामग्री भेजी गई थी। शासन द्वारा पहुंचाए गए लैपटॉप, एलसीडी, पेन ड्राइव, सीडी सहित अन्य उपकरण पूरे सत्र में भोपाल से स्मार्ट क्लास के इंस्टालेशन होने का इंतजार ही करते रहे। एक साल में कोई भी तकनीकी कर्मचारी आकर इन्हें चालू नहीं कर पाया। योजना के अंतर्गत ऑनलाइन अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराई जाना थी। वेब मीडिया के जरिए बच्चों को विषय से संबंधित अध्ययन सामग्री प्रोजेक्टर के माध्यम से दिखाकर समझाना थी। बच्चों की स्मरण शक्ति बढाने के साथ ही शिक्षा का स्तर भी बढाने का लक्ष्य रखा गया था। स्थानीय स्तर पर पत्र द्वारा कई बार भोपाल के अधिकारियो को अवगत कराया गया। लेकिन, जिस मंशा से सामग्री पहुंचाई गई थी। वह मंशा पूरी नहीं हो पाई।

पहले मना कर दिया अब कनेक्टिविटी नहीं...

दिसंबर 13 में ई गवर्नेंस के तहत सरकारी विभागों को स्वान नेटवर्क से जोडने की कवायद शुरू की गई। स्वान (स्टेट वॉइज एरिया नेटवर्क) से जुडने से अधिकांश सरकारी विभागों में स्पीड या नेटवर्क संबंधी समस्या से मुक्ति मिल गई। इसके अलावा इंटरनेट के बिल से भी विभागों को राहत मिल गई। नपा के अधिकारियों ने जानकारी नहीं होने पर पहले टॉवर लगने के बाद भी कनेक्टिविटी नहीं होने दी। बाद में जब शासन की योजना का पता चला तब तक टॉवर लगाने वाले कर्मचारी चले गए।

उजाला नहीं कर पाई सौर प्लेटें...

प्रदेश के 121 सरकारी अस्पतालों के लिए सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने की योजना बनाई गई। इसमें मंदसौर के बड़े अस्पताल को भी शामिल किया गया। सौर ऊर्जा संयंत्र से अस्पतालों में होने वाले बिजली के व्यय से काफी हद तक राहत मिल सकती थी। लेकिन, लगभग 11 करोड़ रूपए का काम होने के बाद शासन ने संबंधित ठेकेदार कंपनी का ठेका निरस्त कर दिया। इस तरह से बड़े अस्पताल की छत पर लगी सौर प्लेटें अस्पताल में उजाला कर पाने में नाकाम रही। अस्पताल प्रबंधन ने बताया कि प्लेटें अभी भी अस्पताल की छत पर लगी हुई हैं, लेकिन सौर ऊर्जा संयंत्र शुरू नहीं हो पाया है।

सड़ गए लाखों के उपकरण...

भोज मुक्त विवि भोपाल द्वारा 2007 में एजुसेट (एजुकेशन थ्रू सेटेलाइट) योजना शुरू की गई थी। प्रदेश में चयनित 40 केंद्रों में से मंदसौर को भी चुना गया। योजना के तहत विद्यार्थी वॉकी-टॉकी पर भोपाल में बैठे अनुभवी प्राध्यापकों से बात कर अध्ययन संबंधित समस्या का समाधान कर सकते थे। राजीव गांधी महाविद्यालय में कम्प्यूटर और कैमरे सहित अन्य सामग्री लगाकर विशेष कक्ष स्थापित कर 2 लाख का खर्च किया गया। इसके अलावा डिश एंटीना भी लगाया गया। योजना शुरू ही नहीं हो पाई। कॉलेज प्रबंधन ने बताया कि यह योजना भोपाल स्तर से ही शुरू नहीं हो पाई। इसके लिए आया सामान महाविद्यालय में ही है।

धरातल पर नहीं उतर पाई टेली मेडीसिन...

स्वास्थ्य विभाग द्वारा वर्ष 2010 में टेली मेडीसिन योजना प्रारंभ की गई थी। इसमें मंदसौर के बड़े अस्पताल को भी चुना गया और एक कक्ष तैयार किया गया। इसमें वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये चिकित्सक बीमारी के संबंध में देश के विशेषज्ञ डॉक्टरों से परामर्श लेकर उपचार कर सकते थे। पांच साल बाद भी टेली मेडीसिन योजना धरातल पर नहीं उतर पाई। अस्पताल में डिश एंटीना लगाया गया था। साथ ही एक कक्ष में सारा सेटअप तैयार किया गया था। डिश एंटीना ने बरसात और धूप में दम तोड दिया। कक्ष में पडे कम्प्यूटर सहित अन्य सामग्री का उपयोग भी नहीं हो पाया।

पखवाड़े बाद कंपकंपाएगा जिला शनिवार को भी छाए रहे बादल

मंदसौर, 2 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। इस महीने अच्छी ठंड होगी। हालांकि, पहला सप्ताह ज्यादा ठंडा नहीं होगा। 5 दिसंबर तक बादल छाए रहेंगे। कोहरा भी ऐसा ही रहेगा। इसके बाद तापमान कम होना शुरू हो जाएगा और धीरे-धीरे ठंड बढती जाएगी। 15 दिसंबर के बाद ठंडक तेज हो जाएगी। शीतलहर की भी संभावना बनी हुई है। दिसंबर के आखरी में तापमान कम ही रहेगा।

शनिवार को भी अंचल में दिनभर बादल छाए रहे। साथ ही ठंडी हवाओं का दौर भी चला। लोग दोपहर में भी उनी कपड़ो में नजर आए। मौसम विभाग के मुताबिक इस महीने पिछले साल के मुकाबले ज्यादा सर्दी होने का अनुमान है। पिछले साल दिसंबर के आंकड़े देखें तो शुरुआती 10 दिन में तापमान में उतार-चढाव होता रहा। तापमान 10 डिग्री के आसपास दर्ज किया गया। 25 दिसंबर के बाद तापमान तेजी से कम हुआ। महीने के आखिरी 5 दिन न्यूनतम तापमान 10 डिग्री से कम रहा।

दिसंबर में ऐसा रहता है ट्रेंड...

शहर में दिसंबर में ठंड के पैटर्न को देखें तो तापमान 10 डिग्री से कम रहता है। 2018 में कड़ाके की सर्दी रही थी। 2018 में 17 दिन और 2020 में 11 दिन ऐसे थे, जब तापमान 10 डिग्री से कम हो गया था। दिसंबर में पारा 5 डिग्री तक भी आता है। पिछले साल दिसंबर में 5 दिन ही 10 डिग्री से कम तापमान था।

शहर में 4 डिग्री तक पहुंचता है तापमान...

जिले में दिसंबर में तापमान गिरना शुरू होता है और जनवरी में तेज ठंड पड़ती है। 2020 में 10 जनवरी को 4.8 डिग्री पारा रहा था। 2012 व 2017 में जनवरी सबसे ठंडा रहा था। 2017 में 14 जनवरी को पारा 4.5 डिग्री और 2012 में 21 जनवरी को तापमान 4 डिग्री रहा था। 2023 में 16 जनवरी को तापमान 5 डिग्री रहा।

दो साल से ऐसे रहे दिसंबर के शुरुआती दिन...

2021 : दिसंबर के शुरुआती दिनों में ठंड कम थी। 4 दिसंबर को पारा 12 डिग्री पर आ गया था। इसके बाद फिर तापमान बढा जो 15 डिग्री पहुंच गया। 10 दिसंबर तक पारा 10 डिग्री से कम नहीं हुआ।

2022 : पहले सप्ताह में 12 से 13 डिग्री, दूसरे सप्ताह में 10 और 17 डिग्री के आसपास, तीसरे सप्ताह में 14 से 15 डिग्री और चौथे सप्ताह में 10 डिग्री से कम तापमान रहा।

राजकुमार अहीर 'डंडी' कांग्रेस से निष्कासित

ढाणी के वोटों का गणित कर रहे थे, रूपयों के लेनदेन के मामलों की भी हो जांच

नीमच, 2 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। जावद विस क्षेत्र के पूर्व प्रत्याशी कांग्रेस नेता राजकुमार अहीर का इंटरनेट मीडिया पर एक आडियो प्रसारित हो रहा है। इसमें कांग्रेस नेता जावद से कांग्रेस के अधिकृत प्रत्याशी समंदर पटेल को वोट नहीं देकर उसे हराने की बात कह रहे है। इसके बाद प्रदेश कांग्रेस ने राजकुमार अहिर को 6 साल के लिए पार्टी से निष्कासित कर दिया है। इधर अहिर ने कहा कि यह मुझे बदनाम करने की साजिश है। अभी मैं मथुरा में हूं। आने के बाद थाने में शिकायत दर्ज करवाकर सख्त कार्रवाई करूंगा। इधर चुनाव में नोट लेकर वोट देने के मामले की जांच भी की जाना चाहिए।

उल्लेखनीय है कि जावद विधानसभा से कांग्रेस से टिकट की दौड़ में समंदर पटेल के साथ ही राजकुमार अहीर, सत्यनारायण पाटीदार, बालकिशन धाकड़ भी थे। लेकिन, कांग्रेस ने पटेल को अपना अधिकृत उम्मीदवार बनाया था। इसके बाद अहीर ने निर्दलीय नामांकन भी दाखिल कर दिया था। लेकिन, पार्टी की समझाइश पर अहीर ने अपना नामांकन वापस ले लिया था।

इसके बाद चुनाव के दौरान कई खबरे आई की अहीर अधिकृत कांग्रेस प्रत्याशी पटेल के विरोध में कार्य कर रहे है। इसके बाद शुक्रवार को इंटरनेट मीडिया पर एक ओडियो बडी तेजी से वायरल हुआ। इसमें अहीर ढाणी के किसी रमेश से बात कर रहे है। वे पटेल को वोट नहीं देने की बात बोल रहे है। वहीं भाजपा प्रत्याशी से पांच लाख रुपये लेकर उसके पक्ष में मतदान करने की बात बोल रहे हैं। साथ ही निर्दलीय प्रत्याशी को मतदान करने के लिए भी मना कर रहे हैं। वे बोल रहे हैं कि निर्दलीय जीतेगा नहीं और अपना मकसद पूर्ण नहीं होगा। इससे स्पष्ट हो रहा है कि कांग्रेस ने ही अपने अधिकृत प्रत्याशी को हराने के लिए कार्य किया है। इसके अलावा मतदान के बीच भी इस प्रकार की कई खबरे आई थी। लेकिन, आडियो इंटरनेट पर वायरल होने के बाद सभी बातों पर विराम लग गया है। इससे स्थिति स्पष्ट हो गई है। अहीर जावद विधानसभा से तीन बार चुनाव लड़े और हारे हैं। बावजूद इसके इस बार भी टिकट की दौड़ में थे। अहीर दो बार कांग्रेस के टिकट व एक बार निर्दलीय चुनाव लड़ चुके हैं।

बस ने बाइक सवार को मारी टक्कर, मौत

मंदसौर, 2 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। शहर के शिवना ओवर ब्रिज के पास एक तेज रफ्तार यात्री बस ने एक बाइक सवार को रौंद दिया। इस हादसे में बाइक सवार व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई।

बडे अस्पताल चौकी पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, शनिवार दोपहर महू नीमच राजमार्ग मंदसौर शिवना पूल के निकट नागदा बस सर्विस नाम की यात्री बस जीजे 10 जेड 0302 ने बाइक एमपी44 एमसी 5095 पर सवार बाबूलाल पिता किशनलाल पाटीदार (55) निवासी सूठी को टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक चालक बाबूलाल पाटीदार की मौके पर ही मौत हो गई। साथ ही घटनास्थल पर भीड जमा हो गई। प्रत्यक्षदर्शियो ने शहर कोतवाली पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को बडे अस्पताल भिजवाया। बताया जा रहा है कि मृतक गांव से मंदसौर आ रहा था। इसी दौरान तेज रफ्तार यात्री बस ने उसे टक्कर मार दी। मामले में कोतवाली पुलिस ने यात्री बस चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

ट्रैक्टर-कार की टक्कर, कार चालक की मौत

नीमच, 2 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। सिटी थाना क्षेत्र के ग्राम रेवली देवली और जवासा के बीच शुक्रवार रात एक सडक हादसा हो गया। हादसे में कार चालक की मौत हो गई। जबकि एक अन्य को मामली चोटे आई। बता दे की भूसे से भरे टैक्टर और टीयूवी कार के बीच जोरदार भिडंत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जबकि, एक अन्य साथी को मामूली चोट आई है। बडे अस्पताल से प्राप्त जानकारी के अनुसार सागर पिता विनोद मित्तल उम्र 32 वर्ष निवासी इंदौर अपने एक साथी के साथ टीयूवी कार में मनासा से नीमच की ओर आ रहे थे। तभी गांव रेवली देवली ओर जवासा के बीच भूसे से भरे ट्रैक्टर और कार की भिडंत हो गई। इस घटना में कार चालक गंभीर घायल हो गाय। जिन्हें नीमच के बड़े अस्पताल लाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत को देखते हुए... शेष पेज 4 पर

राजनीतिक खबरें प्राथमिकता हो गई... शैक्षणिक, कृषि, औद्योगिक और पर्यावरण की गौण..!

मंदसौर/उज्जैन, 2 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। डेढ़ अरब की आबादी वाले भारत को चलाने वाली वर्तमान सरकार तेजी से प्रगति करने वाला देश साबित और प्रचारित करने में लगे हुए है। लेकिन, इतना प्रगतिशील तो है ही नहीं, स्पष्ट कहा जाए तो नजर नहीं आता है। देश को चलाने वाली सरकार ने नागरिकों को देश की शैक्षणिक घटना, कृषि उत्पादन, औद्योगिक विकास, पर्यावरण, प्रति व्यक्ति आय, गरीबों के आहार की गुणवत्ता, बेरोजगारी आदि की जानकारी से बेरुख रहने का एडिक्ट बना दिया है। टीवी समाचार पत्रों और अन्य सैकड़ो प्रकार के तरीकों से राष्ट्रवाद के नाम पर उलझाए रखा जा रहा है। ताकि देश की मूल समस्या, जिनका आकार लगातार बड़ा और बड़ा होता जा रहा है, पर ध्यान ही ना जाए। आम नागरिक ध्यान दे तो सिर्फ देश की राजनीतिक दलों की लड़ाई पर और उसी में अपनी और देश की प्रगति का आकलन करें। इसके अलावा खेल जगत में भी मात्र क्रिकेट में रूचि दिखाएं।

चन्द्रमोहन भगत

ऐसा सरकार और एजेंसियां इसलिए कर रही है कि प्रत्येक क्षेत्र में देश की अवनति पर किसी का ध्यान ही ना जाए और राजनीतिक दलों की घटिया नीतियों को भी देश की जनता के लिए श्रेष्ठ माने। बीते पूरे महीने भर देश के टीवी चैनलों ने पांच राज्यों के चुनावी गतिविधियों को जनमानस पर ऐसा परोसा जैसे यही जानकारी देशवासियों को नहीं मिलेगी तो उनके मरने की नौबत आ जाएगी! जबकि, इससे ज्यादा गंभीर समस्या है देश की कृषि दर का घटकर 1.2 पर आ जाना, कोविड के दौरान देश के 40 हजार टैक्स देने वाले निर्माता का रिकॉर्ड से बाहर हो जाना। ब्रिटिश जनरल मेडिकल के हवाले से भारत में प्रतिवर्ष प्रदूषण के कारण होने वाली बीमारियों से मरने वालों की संख्या प्रति साल 21 लाख से अधिक हो जाना। जबकि, दुनिया भर में 50 लाख लोग मरते हैं। इस साल गर्मी के दिनों में चली 49 दिन की लू ने 200 से अधिक लोगों की जान ले ली है। अनाज उत्पादन में 4.52 प्रतिशत की गिरावट आई है। 15 लाख वर्ग मीटर कृषि क्षेत्र घटा है। वैज्ञानिक इसे अल नीनो का असर बता रहे हैं। इधर सरकार ने भी अपनी कमियों को छुपाने के लिए विभिन्न प्रगतिशील आंकडों को निकालने का तरीका बदलकर जीडीपी को 7.6 प्रतिशत बता कर प्रगतिशील राष्ट्र बना बता रहे हैं। जबकि, इसी देश के राज्यों के मजदूरों की आय देखिए मध्य प्रदेश में गांव में खेतीहर मजदूरों को प्रतिदिन रुपए 345 प्रतिदिन, आम मजदूरों को 239 रुपए प्रति दिन, इसी तरह गुजरात में 241 रुपए, हरियाणा में 473, कश्मीर में 550 तो बिहार में 308 रुपए प्रतिदिन मजदूरी मिलती है। यह आंकड़े रिजर्व बैंक के हैं।

इसी तरह हिंदू बिजनेस ने बताया कि बाजार में निजी खपत अप्रैल में 6 प्रतिशत थी जो जुलाई में घटकर 3 प्रतिशत रह गई है। सरकार जनित पर्यावरण में तेजी से बढती समस्याएं भी आमजन से छिपाई जाकर चुनाव जाती विवादों में उलझाया जाता है। बिगड़ते पर्यावरण के कारण दुनिया का बढ़ता तापमान सबसे प्रमुख और बड़ी समस्या बन चुका है। इसे रोकने के प्रयास न के बराबर हो रहे हैं। कॉप 28 में 160 देश के प्रतिनिधि संयुक्त अरब अमीरात में इसी बढ़ते तापमान का निदान करने के लिए एकत्रित होने वाले हैं। इस बैठक की अध्यक्षता सुल्तान अल जावेर करने वाले हैं जो अबू धाबी नेशनल ऑयल कार्पोरेशन के अध्यक्ष भी है। सारी दुनिया के जानकार और आम लोग जानते हैं कि अरब की तेल कंपनियों के कारण बड़ा हिस्सा प्रदूषण का दुनिया में फैल रहा है, यानी जो प्रदूषण फैला रहा है वही इसे रोकने के उपाय पर चर्चा करेंगे।

भारत में भी 70 प्रतिशत बिजली कोयले से बनती है। इसका उपयोग कम करना ही होगा अगर अपने देश के भविष्य को सेहतमंद रखना है तो दुनिया भर में तेल और कोयला सबसे बड़ा प्रदूषण का कारण है। जिसे तत्काल रोकना होगा या कम करना होगा। अगर दुनिया को प्रदुषण से बचाना है तो इसका उपयोग समाप्त करना... शेष पेज 4 पर

विचार-मंथन

सुरंग हादसे से सबक लेने की जरूरत

उत्तरकाशी में हुए सुरंग हादसे में फंसे सभी मजदूरों को सुरक्षित निकाल लिए जाने के बाद समूचे देश के लोगों को राहत और खुशी मिली है। इस दौरान तकनीक की उच्च क्षमताओं से लेकर आपात अवस्था में कुछ पारंपरिक तरीके अपना कर बचाव कार्य के संचालन और इस अभियान में लगे लोगों के सरोकारों के तमाम उदाहरण सामने आए। एक बार फिर सबने देखा कि हादसे में फंसे मजदूर जहां अपने जीवट और साहस के दम पर करीब सत्रह दिनों तक जोखिम के बीच टिके रहे, वहीं सरकार ने उन्हें बचाने के लिए हर संभव उपाय किए। आखिर इस अभियान में मिली कामयाबी ने मजदूरों को बचाने की कोशिशों के एक व्यापक सरोकार को जीवन दिया। मगर यही वह वक्त भी है जब इस मसले पर विचार किया जाना चाहिए कि किसी बड़े हादसे के बाद ही उससे निपटने या उससे उपजी मुश्किलों को कम करने के प्रयास शुरू क्यों किए जाते हैं! निर्माण कार्यों की शुरुआत से पहले उसके जोखिम या खतरे का आकलन करके आशंकाओं से निपटने के लिए हर स्तर पर ठोस इंतजाम क्यों नहीं किए जाते, ताकि आपात स्थितियों में नुकसान से बचा या उसे न्यूनतम किया जा सके? दरअसल, इस सुरंग हादसे में फंसे मजदूरों को बचा लिया जाना एक बड़ी कामयाबी जरूर है, लेकिन इसके साथ ही यह समूची घटना फिर से एक बड़ा सबक देकर गई है। हालांकि वक्त के साथ विकास के क्षेत्र में सभी स्तरों पर निर्माण कार्यों में आधुनिक तकनीकी के जरिए गुणवत्ता सुनिश्चित करने से लेकर निर्धारित या कम समय में किसी परियोजना को पूरा करने जैसे काम उपलब्धि के तौर पर देखे जा सकते हैं, मगर सवाल है कि पहाड़ी इलाकों में सड़कें या सुरंग जैसे निर्माण कार्यों में हर स्तर पर जोखिम का सटीक आकलन, उसके मद्देनजर सावधानी, सुरक्षा और पहाड़ धंसने जैसी आपात स्थिति में बचाव के पूर्व इंतजामों को लेकर जरूरी गंभीरता क्यों नहीं बरती जाती। उत्तरकाशी में सुरंग में पहाड़ धंसने की घटना से पहले भी इस तरह के छोटे-बड़े कई हादसे हो चुके हैं। मुश्किल यह है कि त्रासद उदाहरण मौजूद होने के बावजूद नए सुरंग निर्माण कार्यों के दौरान तब तक जरूरी सावधानी बरतने को प्राथमिकता नहीं दी जाती, जब तक कि फिर कोई भयानक हादसा न हो जाए। उत्तराखंड या अन्य पहाड़ी राज्यों के जिन इलाकों में चौड़ी सड़कों और सुरंगों के सहारे एक से दूसरी जगह की यात्रा को आसान बनाने के दावे किए जाते हैं, वहां अगर भूस्खलन या जमीन में दरार पड़ने की घटनाएं सामने आती हैं, तो इसका मतलब यही है कि निर्माण कार्यों के दौरान पहाड़ के चट्टानों, मिट्टी की प्रकृति और उनकी पकड़ का सटीक आकलन नहीं किया जा सका। यों भी हिमालय को सबसे नई पर्वत शृंखलाओं में से एक और भूकम्प के लिहाज से संवेदनशील क्षेत्र माना जाता है। अगर इस तरह के जोखिम के बीच काम किए जाते हैं, तो हादसों की आशंका लगातार बनी रहती है। फिर क्या सुरंग बनाने की वैसी तकनीक का इस्तेमाल अनिवार्य नहीं बनाया जाना चाहिए, जो पहाड़ों और उनकी पारिस्थितिकी को नुकसान नहीं पहुंचाए? निर्माण गतिविधियों के दौरान विस्फोट के जरिए पहाड़ों को तोड़ना किस स्तर का जोखिम पैदा कर सकता है? यह ध्यान रखने की जरूरत है कि पिछले कुछ समय से उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश जैसे पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन की घटनाओं से गंभीर चिंता खड़ी हो रही है। ऐसे में अलग-अलग इलाकों की दूरी को कम करने के लिए सड़कों से लेकर हाइड्रो परियोजनाओं के लिए सुरंगों के निर्माण में किस स्तर के खतरे जुड़े हुए हैं? निश्चित रूप से विकास एक जरूरी पहलू है, लेकिन प्रकृति पर संकट के समांतर इसमें अनिवार्य संतुलन कायम रखना भी वक्त का तकाजा है।

भारत में 'पाकिस्तान जिंदाबाद' क्यों?

बलबीर पुंज

जम्मू- कश्मीर प्रशासन और उनकी हालिया कार्रवाई पर वामपंथी-जेहादी कुनबा बिफर गया है। राज्य पुलिस ने गांदरबल स्थित शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में सात कश्मीरी छात्रों को 'गैर-कानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम' और अन्य 2 धाराओं के अंतर्गत गिरफ्तार किया है। आरोप है कि इन छात्रों ने 19 नवंबर को क्रिकेट विश्व कप के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के हाथों भारत की हार का जश्न मनाया, पटाखे फोड़े और पाकिस्तान समर्थित नारे लगाए। यही नहीं, जब एक गैर कश्मीरी छात्र ने इसका विरोध किया, तो उसे भारत का समर्थन करने पर जान से मारने की धमकी दे दी। किसी भी खेल में अपनी पसंदीदा टीम का समर्थन करना और उसका मनोबल बढ़ाना सामान्य है। अहमदाबाद में भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच खेले गए मैच में जीती हुई टीम के समर्थन में नारे लगाना समझ में आता है। परंतु तब कश्मीर में कुछ छात्रों द्वारा पाकिस्तान समर्थित नारेबाजी करना, खेल-भावना के बजाय भारत-विरोधी जहर का परिचायक है। आखिर 19 नवम्बर की रात विश्वविद्यालय में क्या हुआ था? एक अंग्रेजी समाचारपत्र से बात करते हुए विश्वविद्यालय के पदाधिकारी ने बताया, 'होस्टल में लगभग 300 छात्र रहते हैं। इनमें से 30-40 छात्र पंजाब, हरियाणा और राजस्थान जैसे राज्यों से हैं। 19 नवम्बर की रात को झगड़ा

हुआ था। गैर-कश्मीरी छात्रों ने आरोप लगाया कि भारत की हार के बाद पटाखे फोड़े गए और उन्हें परेशान किया गया।' एक 20 वर्षीय पीड़ित छात्र ने सातों छात्रों के विरुद्ध पुलिस को दी हुई शिकायत में कहा, 'मैच के बाद उन्होंने मुझे परेशान करना और गालियां देना चालू कर दिया, क्योंकि मैं अपने देश का समर्थन कर रहा था। इन छात्रों ने मुझे गोली मारने की धमकी दी, पाकिस्तान के समर्थन में नारे लगाए जिससे बाहर के छात्रों में भय व्याप्त हो गया।' बकौल मीडिया आरोपियों के नाम तौकीर भट, मोहसिन फारूक वानी, आसिफ गुलजार वार, उमर नजीर डार, सैयद खालिद बुखारी, समीर राशिद मीर और उबैर अहमद हैं। जिस पाकिस्तान के समर्थन में नारे बुलंद किए गए, वह एक विफल इस्लामी राष्ट्र है, जहां महंगाई आसमान पर, तो पुराना राजकीय ऋण चुकाने हेतु सहयोगी देशों के सामने नए कर्ज के लिए गिड़गिड़ाना पड़ रहा है। इस मुस्लिम देश की स्थिति यह हो गई है कि विश्व बैंक ने उसकी 40 प्रतिशत आबादी को गरीबी रेखा से नीचे बताया है। सच तो यह है कि पाकिस्तान कोई देश न होकर एक रुग्ण विचार है। भारत को 'हजारों घाव देकर समाप्त करना' उसकी घोषित नीति है। पाकिस्तान नामक दर्शन सभी गैर-इस्लामी संस्कृति, सभ्यता और परंपरा को मजहबी कारणों से निरस्त करता है। यह उस जिहादी मानसिकता का मूर्त रूप है, जिसने भारतीय उपमहाद्वीप में 'काफिर-कुफ्र' अवधारणा से प्रेरित होकर असंख्य हिंदुओं, बौद्ध, सिखों आदि को उनकी पूजा-पद्धति के कारण मौत के घाट उतारा, उनका जबरन मतांतरण किया और उनके हजारों पूजास्थलों को जमींदोज किया। कालांतर में इसी दर्शन ने वामपंथियों के सहयोग से न केवल भारत का रक्तरंजित विभाजन कर दिया, अपितु दशकों से खंडित भारत के कई टुकड़े करने को प्रयासरत भी है। इसलिए, अनेकों भारतीय पासपोर्टधारकों का दिल अब भी पाकिस्तान के लिए धड़कता है। यह संकट 'दो राष्ट्र सिद्धांत' के गर्भ से जनित है, जिसे सैयद अहमद खान ने 1880 के दशक में प्रतिपादित किया था। इस चिंतन को कालांतर में मुस्लिम लीग, मो.अली जिन्नाह, मो.इकबाल और अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के छात्रों ने मूर्त रूप दिया। उस कालखंड में देश के 95 प्रतिशत मुस्लिम पाकिस्तान के लिए आंदोलित थे। फिर भी अधिकांश विभाजन के बाद भारत छोड़कर नहीं गए। इनमें से कई कांग्रेस से जुड़ गए, जिसे वे विभाजन से पहले हिंदुओं का दल कहकर तिरस्कृत करते थे। इस संबंध में स्वतंत्र भारत के प्रथम गृहमंत्री और उप-प्रधानमंत्री सरदार पटेल द्वारा 3 जनवरी 1948 को कोलकाता में दिया भाषण महत्वपूर्ण हो जाता है। तब उन्होंने कहा था, '...हिंदुस्तान में जो मुसलमान हैं, उनमें से काफी लोगों, शायद ज्यादातर लोगों ने पाकिस्तान बनाने में साथ दिया था। ठीक है। अब एक रोज में, एक रात में उनका दिल बदल गया.. यह मेरी समझ में नहीं आता। अब वे सब कहते हैं कि हम वफादार हैं और हमारी वफादारी में शंका क्यों करते हो? अपने दिल से पूछो! यह बात आप हमसे क्यों पूछते हो...।' कितने अफसोस की बात है कि सरदार पटेल की लगभग 76 वर्ष पुरानी टिप्पणी वर्तमान हालात पर बिल्कुल सटीक बैठती है। वामपंथियों के साथ प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती ने पाकिस्तान प्रेमी छात्रों पर हुई पुलिसिया कार्रवाई की निंदा की है। वास्तव में, यह उनके चिर-परिचित वैचारिक-राजनीतिक दर्शन के अनुरूप ही है, जिसका बीजारोपण घोर सांप्रदायिक शेख अब्दुल्ला ने 1931 के बाद अपने परममित्र पंडित जवाहर लाल नेहरू के प्रत्यक्ष-परोक्ष सहयोग से घाटी में किया था। कालांतर में इस्लाम के नाम पर कई हिंदुओं को मौत के घाट उतारा गया, उनका मतांतरण किया, दुकानें फूंकीं, संपत्ति लूटी, उनकी महिलाओं का यौन-शोषण किया और पवित्र हिन्दू-सिख ग्रंथों का अपमान करके देवी-देवताओं की प्रतिमाओं को खंडित कर दिया गया। वर्ष 2020 में धारा 370-35ए के संवैधानिक क्षरण के बाद कश्मीर में पर्यटकों की बढ़ती संख्या, 3 दशक बाद नए-पुराने सिनेमाघरों का संचालन, भारतीय फिल्म उद्योग के लिए कश्मीर पुनः पसंदीदा गंतव्य बनना और जी-20 पर्यटन कार्यसमूह की सफल बहुराष्ट्रीय बैठक और आतंकवादी-पथराव की घटनाओं में तुलनात्मक कमी आदि का साक्षी बन रहा है। इस पृष्ठभूमि में यदि कोई भारत में रहकर 'पाकिस्तान जिंदाबाद' के नारे लगाता है, तो उसे निःसंकोच भारत छोड़कर अपने पसंदीदा देश में बस जाना चाहिए।

सहयोग और सहायता से चलता है समाज

रेखा शाह आरबी

आजकल जैसा पारिवारिक-सामाजिक माहौल देखने को मिल रहा है, उससे ऐसा लग रहा है कि हम सब एक चेतनाशून्य समाज में रह रहे हैं। इसमें भाई को भाई से प्रेम नहीं है, बच्चों को अपने वृद्ध माता-पिता से आत्मीयता नहीं दिखाई देती है। उसकी जगह पर सिर्फ स्वार्थ देखने को मिल रहा है। लोगों को दूसरे के दुख और पीड़ा प्रभावित नहीं करते हैं। ऐसा लगता है कि लोग भावना और संवेदना के स्तर पर निष्प्राण होते जा रहे हैं। शायद यही वजह है कि भाई का दुख भाई को भी प्रभावित नहीं करता है। लोग अपने मनोरंजन का साधन समझकर उन घटनाओं पर अट्टहास लगाते या कुटिल बुद्धि लगाते दिखते हैं, बिना इसकी परवाह किए कि अगले व्यक्ति को कितनी पीड़ा पहुंचेगी। कहीं-कहीं ऐसा भी देखने को मिलता है कि वृद्ध और अशक्त माता-पिता अपनी वृद्धावस्था के दुखों से ग्रसित रहते हैं और युवा पुत्र और पुत्रवधू उसी शहर में अपने सुखों में प्रसन्न रहते हैं। पूरे प्राणी जगत में मनुष्य के पास ही यह शक्ति है कि वह अपनी भावना अपने आंसुओं के द्वारा व्यक्त करके सटीकता से अपने मन की बात किसी को बता सकता है। यह शक्ति प्रकृति ने यों ही नहीं मनुष्य को दी होगी, लेकिन अगर लोग पीड़ा को अपने अंतरतल पर महसूस करके द्रवित ही न हो सकें तो इसका क्या अर्थ? सहयोग और सहायता से समाज सुचारु रूप से चल पाता है और हमेशा से चलता आया है। जन्म हो या मृत्यु, हमें समाज की जरूरत अनेक बार पड़ती है, अपने दुख में सहारे के लिए और सुख में अपनी खुशी बांटने के लिए, क्योंकि दोनों भावनाओं के आवेग संभालने के लिए हमें किसी अपने का पास होना जरूरी लगता है। हालत यह है कि अब किसी के दुख की हमारे जीवन में मात्र इतनी ही उपयोगिता और संवेदना रह गई है कि हम उसमें अपनी उदासीनता या फिर मनोरंजन तलाश कर सकें। कभी दूसरे के दुख से दुखी और दूसरे के सुख से सुखी होकर भावनाओं के सागर बहने लगते थे। समाज में यह सब आत्मीयता के आधार स्तंभ थे। हाल के वर्षों में कई वाकयों ने ऐसा सोचने पर मजबूर कर दिया है। परिवार विघटन की नई-नई सूरत समाज के सामने देखने में आ रही है कि लोग अपने बसे-बसाए घर को, परिवार को और छोटे-छोटे बच्चों को छोड़कर आसानी से अपना सुख-स्वार्थ तलाश कर रहे हैं। हालांकि ऐसा सबने नहीं किया है, लेकिन इसकी स्वीकार्यता बढ़ती जा रही है और यही चिंतन का विषय है।

परिवार ही वह संस्था है, जिस पर पूरे सामाजिक जीवन का ताना-बाना निर्भर है। परिवार मनुष्य के व्यक्तित्व में एक स्थायित्व की भावना देता है, जहां पर वह चाहे या न चाहे, उसके ऊपर समाज के दबाव काम करते हैं। इसे हम सरल भाषा में लोकलाज कहते हैं। अगर इस संस्था पर ही संकट आए तो यह चिंताजनक स्थिति है। परिवार से अलग व्यक्ति के ऊपर न समाज के दबाव काम करते हैं और न ही गलत-सही पर कोई उसे रोकने वाला होता है। निरंकुश जीवन सदैव आसानी से विनाश की ओर अग्रसर हो जाता है, क्योंकि विपत्ति काल में न संभालने के लिए परिवार का मजबूत आधार होता है और न सही और गलत की परिभाषा तय करने वाला कोई व्यक्ति होता है। परिवार और समाज का ताना-बाना एक दूसरे के सहयोग से परस्पर भावनात्मक सहारा देने के लिए बना था। किसी परिवार को संभालने और बसाने में स्त्री का सर्वस्व तो पुरुष का भी बहुत कुछ लगता है। दोनों के संयुक्त त्याग के कारण ही यह परिवार रूपी संस्था सुचारु रूप से चलती है, जहां से समाज को एक सभ्य नागरिक मिलता है। अगर सभी अपने-अपने सुख की तलाश करने लगें तो समाज में परिवार रूपी संस्था पर प्रश्न चिह्न लग जाएगा और फिर बात वहीं पर आकर रुक जाएगी कि लोग अपने स्वार्थ के कारण किसी का भी सम्मान नहीं करेंगे, भाई को भाई और बच्चे अपने वृद्ध माता-पिता को भार समझेंगे। समाज को विघटन से बचने के लिए परिवार को विघटन से बचाना पड़ेगा। इसका एक ही उपाय और बचाव है। परिवार रूपी पवित्र संस्था किसी भी हाल में टूटने न पाए। बच्चों के मन में बचपन से ही परिवार के प्रति गहरी आस्था पैदा की जाए। पारिवारिक मूल्यों और नाते-रिश्तों का आदर करना सिखाया जाए, ताकि हर आयु वर्ग को एक सुरक्षित जीवन मिल सके। उन्हें आर्थिक सुरक्षा, अच्छे संस्कार मिल सकें। उनका समुचित विकास हो सके, समाज को सभ्य नागरिक मिल सकें।

देशवासी भुला नहीं पाएंगे विश्व कप की यह हार

अहमदाबाद में फाइनल मैच से पहले भारतीय टीम सातवें आसमान पर थी। टीम के साथ ही देशवासियों का हौसला भी बढ़ा हुआ था। किसी ने कल्पना नहीं की होगी कि रोहित एंड कंपनी इस तरह हार जाएगी। 50 ओवर के मैच में 300 से कम का स्कोर जोखिम भरा माना जाता है। वनडे विश्व कप की हार से भारतीय खेल प्रेमियों का दिल टूट गया। अब यह मान कर संतोष करना पड़ेगा कि 19 नवम्बर 2023 का दिन भारत का नहीं था। पूरे विश्व कप में अपने शानदार खेल से टीम इंडिया वाहवाही लूट रही थी। लगातार 10 मैच जीत कर हम फाइनल में पहुंचे थे। मगर, अहम मुकाबले में ही किस्मत दगा दे गई। विश्व चैंपियन बनने का इतना सुनहरा मौका अब न जाने कब मिलेगा। अपने घर में और अपने दर्शकों के सामने खेल कर यदि हम नहीं जीत पाए तो कब जीतेंगे? आखिरी पायदान पर आकर अगर फिसल जाते हैं तो इसके लिए हम खुद जिम्मेदार हैं। उस दिन टीम प्रबंधन की कोई रणनीति काम नहीं आई। चेन्नई में अपने पहले लीग मैच में इसी ऑस्ट्रेलिया को भारत ने हराया था। इस हार की टीस कई सालों तक हमें कचोटेगी। इसे भुला पाना आसान नहीं होगा। भारतीय टीम पिछले आठ साल में नौवीं बार आईसीसी के खिताब की दहलीज पर आकर चूक गई। ऑस्ट्रेलिया ने छठवीं बार विश्व कप अपने नाम कर लिया। खेल जगत में रिकॉर्ड बनते हैं और टूटते हैं। विश्व कप?2023 को कई ऐसे रिकॉर्ड के लिए याद रखा जाएगा जिसे तोड़ना नामुमकिन तो नहीं मगर दुष्कर अवश्य कहा जाएगा। वनडे क्रिकेट में विराट कोहली के 50 शतक और अफगानिस्तान के खिलाफ कंगारू टीम के मैक्सवेल की 201 रनों की नाबाद पारी को कोई कैसे भूल सकता है। यह प्रदर्शन किसी चमत्कार से कम नहीं है। यह खेल अब मैदान में ही नहीं बल्कि दिमाग से भी खेला जाता है। विपक्षी टीम के हर दांव की काट के लिए रणनीति बनाई जाती है। मानसिक रूप से मजबूती एक अहम तथ्य है जिस पर सभी टीमें गंभीरता से काम करती हैं। पर, निर्णायक मुकाबले में भारतीय टीम की रणनीति कामयाब नहीं रही। कंगारू हमसे चतुर निकले। टास जीतकर पहले भारत से बल्लेबाजी करवाने का उनका दांव सफल रहा। मैच?दर?मैच जीत हासिल करते हुए हमारी टीम फाइनल में पहुंची। वनडे विश्व कप के इतिहास में टीम इंडिया चौथी बार फाइनल में पहुंची थी। हमारे प्रत्येक खिलाड़ी ने अपनी भूमिका बखूबी निभाई है। बस फाइनल मैच में हमारी टीम रंग में नहीं दिखी। आलराउंडर हार्दिक पांड्या चोटिल होकर प्रतियोगिता से बाहर हो गए लेकिन तनिक भी उनकी कमी महसूस नहीं हुई। वजह, उनकी जगह जब मोहम्मद शमी को मौका मिला तो उन्होंने विपक्षी खेमे में तूफान मचा दिया। पूरा देश शमी पर फिदा हो गया।

लड़ने लायक नहीं था 240 रनों का स्कोर

अहमदाबाद में फाइनल मैच से पहले भारतीय टीम सातवें आसमान पर थी। टीम के साथ ही देशवासियों का हौसला भी बढ़ा हुआ था। किसी ने कल्पना नहीं की होगी कि रोहित एंड कंपनी इस तरह हार जाएगी। 50 ओवर के मैच में 300 से कम का स्कोर जोखिम भरा माना जाता है। कप्तान रोहित ने शुरुआत तो अच्छी की लेकिन मध्य क्रम उसे भुना नहीं पाया। विराट कोहली या राहुल की साझेदारी भी लंबी नहीं चली। सूर्य यादव का बल्ला पूरे विश्व कप में खामोश रहा। लखनऊ में 29 अक्टूबर को इंग्लैंड के खिलाफ मैच में 49 रन उनका सर्वाधिक स्कोर रहा। कंगारू गेंदबाजी और उनकी फील्डिंग के आगे भारतीय बल्लेबाज असहाय दिखे। रन बनाना पहाड़ हो गया। किसी बैटर को टिक कर लंबी पारी खेलने की जरूरत थी तब 300 से अधिक का लक्ष्य हम दे पाते। मगर, 240 का मामूली स्कोर ही हम दे सके। इससे विपक्षी टीम पर कोई दबाव नहीं बन पाया।

आज का राशिफल

मेष: [illegible]

वृषभ: [illegible]

मिथुन: [illegible]

कर्क: [illegible]

सिंह: [illegible]

कन्या: [illegible]

तुला: [illegible]

वृश्चिक: [illegible]

धनु: [illegible]

मकर: [illegible]

कुंभ: [illegible]

मीन: [illegible]

सुडोकू पहेली — क्रमांक- 5073

	9	2					7	4
				2	3			5
4								
	6			3	4			7
2		8	7	1	5	4		9
1			6	9			3	
								8
8			5	6				
7	4					3	2	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5072

8	5	1	7	2	9	6	4	3
4	2	3	5	6	8	1	7	9
7	9	6	1	4	3	2	8	5
2	8	7	3	1	5	4	9	6
3	6	9	4	8	7	5	2	1
1	4	5	6	9	2	8	3	7
9	7	2	8	5	6	3	1	4
5	1	8	9	3	4	7	6	2
6	3	4	2	7	1	9	5	8

वर्ग पहेली 5073

संकेत: बाएं से दाएं
1. हिन्दवाणी ऑफ इंडिया के लेखक और प्रमुख राजनीतिज्ञ की आज पुण्य तिथि है (6)
7. सिंचाई आदि के लिए बनाया गया कृत्रिम जलमार्ग (3)
8. मुंह या किनारे तक, लबालब (4)
10. येन मुद्रा का प्रचलन इस देश में है (3)
11. जंगल, अरण्य, कानन (2)
12. खरी-खोटी कहना, श्रवण कराना (3)
14. रसीद, पहुंच पत्र, प्राप्ति की स्वीकृति (3)
16. शास्त्रीय संगीत में स्वर का विस्तार, तानने की क्रिया (2)
17. समा जाना (3)
19. चौकोर चौंसर, पासा (2)
21. दीर्घ मात्रा (2)
22. सौ करोड़ की संख्या (3)
23. कक्षा, समुदाय, संघ (3)
24. भगवान श्रीरामचंद्र के नामों में से एक (5)

ऊपर से नीचे
1. जनक की पुत्री होने के कारण सीता का एक नाम (5)
2. एक प्रशंसा सूचक शब्द, धन्य (2)
3. हानि का बदला, क्षतिपूर्ति (4)
4. प्रेम करना और पालना (6)
5. अधर, रदपट, ओंठ, ओष्ठ (2)
6. स्वकुल, आत्मीयजन, अपने लोग (3)
9. सत्ताईस नक्षत्रों में से अंतिम नक्षत्र, पुराणानुसार राजा रेवत की पुत्री बलराम की पत्नी थी (3)
13. सेवक को जीविका हेतु पुरस्कार में दी जाने वाली जमीन यह कहलाती थी (4)
15. अवस्था, उम्र (2)
18. यह लेबनान की राजधानी है (3)
20. इस मुगल शासक का मूल नाम जहीरुद्दीन मुहम्मद बादशाह था, इसका अरबी शब्द का अर्थ बाघ होती है (3)
21. बदगुमानी, कुधारणा (3)
22. यह एक राजनीतिक पार्टी का संक्षिप्त नाम है (2)

वर्ग पहेली 5072 का हल

दू	ध	रा	ज	■	श्री	क	र
र	म	जा	न	■	ध	ल	न
द	■	■	मा	नु	■	श	क
र्शी	■	गे	■	मा	ता	■	ना
न	जी	र	■	इ	शा	रा	■
■	जा	■	क	श	■	म	धा
आ	न	बा	न	■	मै	दा	न
बे	सी	रा	■	पा	र	स	■

मतगणना की तैयारी पूर्ण

भोपाल में पुरानी जेल परिसर के आसपास कड़ी सुरक्षा, बदली रहेगी ट्रैफिक व्यवस्था

- मतगणना को लेकर पुलिस-प्रशासन व निर्वाचन आयोग ने किए सुरक्षा के कड़े इंतजाम
- आज जिले में सभी जगह शराब के परिवहन, क्रय-विक्रय एवं प्रदाय पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा।

भोपाल । 17 नवंबर को मध्यप्रदेश में हुए मतदान की प्रक्रिया कल फाइनल मतगणना के साथ पूर्ण हो जाएगी। एक्जिट पोल कुछ ही कहे कल तय होगा कि प्रदेश में किसकी सरकार बनेगी। हालांकि दोनों प्रमुख राजनीतिक दल एक्जिट पोलों को नकारते हुए अपनी-अपनी सरकार भारी बहुमत के साथ बनने का दावा कर रहे हैं। हालांकि कल तस्वीर पूरी तरह से साफ हो जाएगी कि कौन सा राजनीतिक दल प्रदेश में सरकार बनाने में कामयाब हो सकता है।

कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच कल तीन दिसंबर को पुरानी जेल परिसर में विधानसभा चुनाव 2023 के लिए जिले के सात विधानसभा क्षेत्रों के मतों की गणना होगी। इसके लिए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। सुबह 08 बजे से शुरू होने वाली मतगणना के दौरान बड़ी संख्या में निर्वाचन आयोग, पुलिस और जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ प्रत्याशी व उनके एजेंट्स भी उपस्थित रहेंगे। इसके साथ ही वाहनों की दबाव बहुत ज्यादा होगा। सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को देखते हुए 3 दिसंबर को सुबह 6 बजे से पुरानी जेल परिसर के आसपास ट्रैफिक डायवर्सन रहेगा। पुलिस ने आम नागरिकों से अनुरोध किया है कि आवश्यकता नहीं होने पर वह इस मार्ग की तरफ जाने से बचें।

इस प्रकार होगी पार्किंग व्यवस्था

आम जनता के वाहन पंजाब नेशनल बैंक की तरफ और कोर्ट तिराहा से वल्लभ भवन मार्ग पर दोनों तरफ पार्क किए जा सकेंगे। मतगणना में लगे अधिकारियों और कर्मचारियों, पत्रकार और मीडियाकर्मियों के वाहन निर्धारित स्थान जेल परिसर में पार्क होंगे। एजेंटों को वाहन पुलिस कंट्रोल रूम तिराहे से होमगार्ड टर्निंग तक जाएंगे। इन वाहनों की पार्किंग लाल परेड ग्राउंड एवं एमएलए रेस्ट हाउस में होगी। डीबी माल की तरफ से आने वाले एजेंटों के वाहन कोर्ट तिराहा तक पहुंच सकेंगे। इनकी पार्किंग वल्लभ भवन मार्ग के दोनों तरफ होगी। मतगणना स्थल पहुंचने वाले प्रत्याशियों के वाहन जेल परिसर में निर्धारित स्थान पर पार्क होंगे। जहांगीराबाद की तरफ से आने वाले एजेंटों के वाहन पुलिस आईटीआई गेट तक पहुंचकर निर्धारित स्थान पर पार्क किए जाएंगे। इसी प्रकार मिंडोरा कालोनी की तरफ से आने वाले एजेंटों के वाहन पीएनबी मुख्यालय तक पहुंचेंगे और सड़क के दोनों तरफ पार्क किए जाएंगे। आम जनता के वाहन वैकल्पिक तौर पर एमएलए रेस्ट हाउस, लाल परेड के आईटीआई ग्राउंड तथा एमवीएम ग्राउंड पर पार्क किए जा सकेंगे।

दोपहर बाद स्थानीय से मतगणना स्ट्रांग रूम में शिफ्ट होंगे डाक मतपत्र

जिले में सात विधानसभा क्षेत्र के लिए तीन दिसंबर को पुरानी जेल में सुबह आठ बजे से मतगणना शुरू की जाएगी। इससे पहले यहां पर सभी तरह की व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। मतगणना की प्रक्रिया आज दोपहर तीन बजे से शुरू होगी। सबसे पहले यहां रिटर्निंग, सहायक रिटर्निंग अधिकारी डाक मतपत्र के लिए बनाए गए स्थानीय स्ट्रांग रूम से मतगणना स्थल में बने डाक मतपत्र के स्ट्रांग रूम में स्थानांतरित करने की कार्रवाई करेंगे। इसकी सूचना राजनीतिक दलों के प्रत्याशी, उनके प्रतिनिधियों को भी दी जाएगी। वहीं मतगणना स्थल पर प्रवेश के लिए सभी को प्रवेश पत्र दिए गए हैं जिनके बिना किसी को भी प्रवेश नहीं दिया जाएगा। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर आशीष सिंह ने यह जानकारी दी।

इन मार्गों पर बंद रहेगा आवागमन

सीआइ कालोनी, पुलिस कंट्रोल रूम तिराहा, होमगार्ड टर्निंग एवं कोर्ट चौराहा से पुरानी जेल की ओर जाने वाले समस्त प्रकार के दोपहिया, चार पहिया, लोक परिवहन एवं अनुमति प्राप्त वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित रहेगा। स्टेट बैंक आफ इंडिया मैदा मिल के पास से सेंट्रल स्कूल क्रमांक-1, स्टेट आईटी की तरफ जाने वाले रास्ते से न्यायालय एवं जेल की तरफ जाने वाले सामान्य वाहनों का प्रवेश वर्जित रहेगा। जो वाहन जहांगीराबाद से एमपी नगर की ओर आवागमन करना चाहते हैं, वह शब्बन चौराहा, जिंसी चौराहा, बोगदा पुल, प्रभात चौराहा, सुभाष फाटक ओवर ब्रिज, मैदा मिल से बोर्ड आफिस होकर आवागमन करेंगे। प्रत्याशियों के एजेंट और नाश्ता-भोजन लाने वाले वाहन पुरानी जेल परिसर के मुख्य द्वार तक पहुंच सकेंगे।

आज रहेगा शुष्क दिवस, शराब पर लगाया प्रतिबंध

जिले में मतगणना के दौरान रविवार को शराब की खरीद-फरोख्त पर प्रतिबंध लगाया गया है। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर आशीष सिंह ने तीन दिसंबर को 24 घंटे शुष्क दिवस घोषित किया है। जिले की सभी सात विधानसभा क्षेत्रों की 87 शराब दुकानों पर शराब के क्रय-विक्रय और भंडारण आदि पर प्रतिबंध लगाया है। इस दौरान जिले की परिसीमा में स्थित एवं संचालित सभी शराब दुकानों, रेस्टोरेंट बार, होटल बार, सिविलियन क्लब, सैनिक थोक कैंटीन, फुटकर कैंटीन, वाइन विक्रय के लिए स्वीकृत रिटेल आउटलेट एवं अन्य लाइसेंस केंद्र, जिंसी चौराहा स्थित देशी शराब भंडारगार और गांधीनगर स्थित विदेशी शराब भंडारगार से शराब के आयात, निर्यात, परिवहन, क्रय, विक्रय एवं प्रदाय पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा। कलेक्टर आशीष सिंह ने आबकारी विभाग को निर्देश दिए हैं कि उक्त आदेश का सख्ती से पालन किया जाए एवं उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई की जाए।

कांग्रेस भी मतगणना के लिए पूरी तरह तैयार

कल मतगणना के लिए मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा भी विशेष व्यवस्था की गई है। पीसीसी कार्यालय में मतगणना को लेकर विशेष कंट्रोल रूम तैयार किया गया है। यहां प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ, वरिष्ठ कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह, सुरेश पचौरी एवं प्रदेश प्रभारी रणदीप सुरजेवाला कंट्रोल रूम से पूरे प्रदेश में मतगणना पर नजर रखेंगे। इनके साथ वकीलों की एक टीम भी तैनात रहेगी जो अव्यवस्था की जानकारी मिलते ही तत्काल संबंधित कांग्रेस पक्ष को राहत देते हुए इसकी शिकायत उच्च स्तर तक करेगी।

डीजीपी कप क्रिकेट चैम्पियनशिप-2023 संपन्न

जी.बी. पीएचक्यू रही विजेता-रनरअप ट्रॉफी एसएएफ को

यह आयोजन मध्यप्रदेश पुलिस की त्याग, समर्पण और सामुहिकता की भावना को सुदृढ़ करेगा : डीजीपी सक्सेना

भोपाल(नप्र)। 01 दिसंबर 2023 नेहरू नगर पुलिस क्रिकेट ग्राउंड भोपाल में डीजीपी कप क्रिकेट चैम्पियनशिप-2023 का फायनल मैच जी.बी.पीएचक्यू तथा एसएएफ की टीम के बीच खेला गया। जिसमें जी.बी.पीएचक्यू विजेता तथा एसएएफ की टीम उपविजेता रही। डीजीपी सुधीर सक्सेना ने सभी प्रतिभागी टीमों को खेल भावना के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर बधाई देते हुए कहा कि यह आयोजन मध्यप्रदेश पुलिस के त्याग, समर्पण और सामुहिकता की भावना को सुदृढ़ करेगा। उन्होंने कहा कि इतनी व्यस्तता के बाद भी खेलने का समय निकालना आपकी वचनबद्धता को दर्शाता है। डीजीपी ने उत्कृष्ट व्यवस्थाओं के लिए आयोजन समिति को भी बधाई देते हुए कहा कि हर साल इस चैम्पियनशिप का आयोजन खेल भावना को और मजबूत करेगा।

मध्यप्रदेश पुलिस में पुलिस मुख्यालय की विभिन्न शाखाओं में कार्यालयीन कर्मचारियों एवं अधिकारियों की शारीरिक फिटनेस बनाये रखने हेतु डी.जी.पी. कप क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन वर्ष 1988 से प्रारंभ किया गया था। पुलिस मुख्यालय की विभिन्न शाखाएँ जैसे विशेष सशस्त्र बल, जनरल ब्रान्च, राज्य अपराध अभिलेख ब्यूरो, विशेष शाखा, साईबर, ए.टी.एस., एस.टी.एफ., प्रशासन आदि इस प्रतियोगिता में सम्मिलित होती रही है। वर्ष 2023 में लम्बे अंतराल के पश्चात डी.जी.पी. कप क्रिकेट

प्रतियोगिता का आयोजन माह जून में दिनांक 13 से प्रारंभ किया गया था, प्रतियोगिता में भा.पु.से. एकादश, जी.बी, साईबर, लोकायुक्त ई.ओ.डब्ल्यु संयुक्त टीम, विशेष सशस्त्र बल, विशेष शाखा, जि.पु.बल भोपाल, जि.पु.बल इन्दौर, जि.पु.बल रायसेन, राज्य अपराध अभिलेख ब्यूरो, रेडियो, ए.टी.एस. सहित कुल 12 टीमों ने भाग लिया।

प्रतियोगिता का फाईनल मैच जी.बी. एवं विशेष सशस्त्र बल की टीम के बीच आज आयोजित कराया गया है जिसमें प्रथम बैटिंग करते हुये जी.बी. की टीम ने 20 ओवर में 159 रन बनाये जिसके जवाब में विशेष सशस्त्र बल की टीम 16 वे ओवर में कुल 102 रन बनाकर ऑल आउट हो गयी। मैच समाप्ति पर सभी टीमों द्वार गरिमामय मार्चपास्ट प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि डीजीपी सक्सेना ने विभिन्न पुरस्कार प्रदान किए। मैन ऑफ द फायनल बेस्ट बेस्टमेन अखिल प्रज्ञा, बेस्ट बॉलर विशाल सिंह, विकेट कीपर श्रवण, फील्डर अंकुश, प्लेयर ऑफ सीरीज शुभम, फेयर प्ले- डीएफ भोपाल टीम को दिया गया। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक विजय कटारिया, साजिद फरीद शापू सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

विश्व एड्स दिवस पर पखवाड़े का आयोजन सम्पन्न

मंदसौर, 2 दिसंबर गुरू एक्सप्रेस। विश्व एड दिवस 2023 के अवसर पर मध्यप्रदेश राज्य एडनियत्रण समिति द्वारा विश्व एड दिवस पखवाड़े का आयोजन किया जा रहा है जिसके तहत जिले में स्थित ए.आर.टी.केन्द्र ,जिला चिकित्सालय मंदसौर में जन जागरुकता हेतु विविध गतिविधिया किया जाना हैं क्योकि इस वर्ष विश्व एड दिवस 2023 की थीम LETS COMMUNITIES LEAD का उद्देश्य एच.आई.वी.एड्स की रोकथाम में समुदाय को अग्रिम पंक्ति मे रखते हुए

प्रोत्साहित किया जाना है। उक्त थीम के परिपालन में जन जागरुकता हेतु ए.आर.टी.केन्द्र ,जिला चिकित्सालय मंदसौर द्वारा दिंनाक 02.12.2023 को जिला प्रशिक्षण केन्द्र मंदसौर में TALK ON AIDS , POSTER MAKING COMPITION , OPEN QUIZ ,का आयोजन किया गया । कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्यचिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ गोविन्द सिहं चौहान एवं नोड़ल अधिकारी डॉ निशान्त शर्मा द्वारा द्वीप प्रज्ञवलित कर किया गया । नोड़ल अधिकारी डॉ निशान्त शर्मा द्वारा एच.आई.वी.एड्स की रोकथाम एवम बचाव हेतु जानकारी प्रदान की गई।

डॉ कमलेश कुमावत सीनियर मेडिकल आफिसर द्वारा प्री-पोस्ट एक्सपोजर प्रोफाइलेक्सिस एवं युनिवर्सल सेफ्टी प्रकाशन के संबन्ध के बारे विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। डॉ आर.के.द्विवेदी , जिला क्षय अधिकारी द्वारा टी.बी./ एच.आई.वी.के कारण एवं बचाव संबधित जानकारी प्रदान की गइ । इसके उपरान्त आई.सी.टी.सी. काउन्सलर श्रीमति दीप्ति साहु द्वारा टेस्टिंग एवं परार्मश के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई । तत् पश्चात मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ गोविन्द सिहं चौहान द्वारा संम्पूर्ण जिले में सन्चालित एच.आई.वी./ एड्स सें संबधिंत समस्त कार्यक्रमों एवं एच.आई.वी अधिनियम 2017 के बारे में जानकारी प्रदान गई। इसके पश्चात उपस्थित प्रतिभागियों से प्रश्नोतर सत्र का आयोजन किया गया।इसके अतिरिक्त पोस्टर मेकिग प्रतियोगिता में एच.आई.वी./ एड्स के संम्बन्ध में व्याप्त भय एवं भ्रातियों को दूर करने हेतु नर्सिग छात्र-छात्राओ के द्वारा पोस्टर बनाये गए जिन्हे मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा अवलोकनार्थ कर पुरुस्कृत किया , जिसमें प्रथम स्थान उर्मिला पाटीदार मिरेकल नर्सिंग कालेज ,द्वितिय स्थान आयुषि , आयुषि राठौर ,भावना , कृष्णा , शासकीय नर्सिग कालेज , तृतिय स्थान वर्षा चौहान शासकीय नर्सिग कालेज एवं मंजु बोराना मिरेकल नर्सिग कालेज द्वारा प्राप्त किया गया। इस अवसर मेड़िकल आफिसर डॉ अशोक पंवार ,श्री मति सविता शर्मा, श्री मति सरिता तुगनावत , चेनपाल सिंह राठौर ,यशपाल सिंह राठौर विजय चावड़ा , सुश्री अफसाना जारोरी, श्री मति बीना व्यास , सुरेश पाटीदार , हर्षिता राठौर , लिंक वर्कर स्किम से सोनु पालीवाल , मेघा और राहुल ,टी.आई . परियोजना से शेलेन्द्र सिह भाटी , आदिल , अंजली , श्री मति प्रियंका शर्मा , विहान परियोजना से अनिल राठौर , विजय राठौर , स्वेतना से मुन्व्बर , एवं पेरामेडिकल , नर्सिग छात्र – छात्राए उपस्थित थे। कार्यक्रम के अन्त में सभी का आभार जिला मीडिया अधीकारी एम.एल.कश्यप द्वारा व्यक्त किया गया।

कड़ी सुरक्षा के बीच डाक मतपत्र पहुंचाए मतगणना केन्द्र के स्ट्रांग रूम

नीमच, 2 दिसंबर गुरू एक्सप्रेस। जिला प्रशासन और पुलिस के पुख्ता इंतजाम के साथ शनिवार को विधानसभा निर्वाचन 2023 के तहत डाले गये मतपत्रों को संबंधित आरओं मुख्यालय से जिला मुख्यालय स्थित मतगणना केन्द्र के स्ट्रांग रूम में पहुंचाया गया है।इस सम्पूर्ण प्रकिया की विडियोंग्राफी भी करवाई गई है। इस मौके पर वाहन के काफिले के साथ संबधित रिर्टनिग आफिसर पुलिस सुरक्षा कर्मी एवं अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे । डाक मतपत्रों के पेटिया अभ्यर्थियों अभिर्कताओं एवं रिटर्निग आफिसरों की उपस्थिति में मतगणना के स्ट्रांग रूम में जमा करवाए गई है । यह जानकारी रिर्टनिग आफिसर श्री पवन बारिया द्वारा दी गई है।

तिहाड़ जेल के 50 कर्मचारी हुए निलंबित

फर्जी तरीके से नौकरी पाने का आरोप, जवाब नहीं दिया तो होंगे बर्खास्त

नई दिल्ली, 2 दिसम्बर। तिहाड़ जेल प्रशासन ने 50 कर्मचारियों के बायोमेट्रिक रिकॉर्ड मैच न होने पर उन्हें बर्खास्त करने का नोटिस भेजा है। तिहाड़ जेल से हटाए गए इन 50 कर्मचारियों में 39 वार्डर, 9 असिस्टेंट सुपरिंटेंडेंट और 2 मैट्रन शामिल हैं।

दिल्ली अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड (डीएसएसबी) के निर्देश पर कर्मचारियों की भर्ती की थी। तीन पदों पर लगभग 450 लोगों की जॉइनिंग हुई थी। इन 450 कर्मचारियों में से 50 की बायोमेट्रिक आइडेंटिटी मैच नहीं हो रही थी। एक अधिकारी ने कहा कि ऐसा संदेह है कि किसी और ने उनका एग्जाम लिया था। ये सभी कर्मचारी दो साल के लिए परिवीक्षा अवधि पर थे। इन सभी को नोटिस का जवाब देने के लिए एक महीने का समय दिया गया है।

हॉकी मंदसौर के कोच हिमांशु व विवेक का केंद्रीय विद्यालय संगठन में चयन

मंदसौर, 2 दिसंबर गुरू एक्सप्रेस। अभी हाल ही में केंद्रीय विद्यालय संगठन

ने अपने यहां शारीरिक शिक्षक की भर्ती की यह भर्ती ऑल इंडिया से की गई हाल ही में आए रिजल्ट के अनुसार हॉकी मंदसौर के दो होनहार खिलाड़ी व कोच हिमांशु कुमावत, विवेक रूनवाल का चयन केंद्रीय विद्यालय संगठन में शारीरिक शिक्षक के रूप में किया गया, यह जानकारी हाकी मंदसौर के सचिव अविनाश उपाध्याय व अध्यक्ष कुलदीप सिंह सिसोदिया ने दी उन्होंने बताया कि दोनों की हॉकी की शुरुआत कक्षा 6ींह से हुई जब यह दशपुर विद्यालय में अध्यनरत थे यहीं से राष्ट्रीय स्तर तक की प्रतियोगिता में शिरकत की उसके बाद एशिया के नंबर वन फिजिकल कॉलेज एलएनआईपीई में चयन हुआ। यहां से मास्टर डिग्री करी इसके बाद दोनों ने पटियाला से हॉकी में एन आई एस किया बाद में दोनों ही टाटा हॉकी अकैडमी जमशेदपुर में कोच के रूप में पदस्थ हुए यहां रहते हुए इन्होंने टाटा को हॉकी में कई उपलब्धियां दिलाए

जहां विवेक का बैकग्राउंड खेल से रहा है विवेक के दादाजी गिरजा शंकर रूनवाल, मंदसौर के नामी खिलाड़ी रहे हैं। वही हिमांशु के परिवार का खेल से कोई बैकग्राउंड नहीं था हिमांशु के पिता ओमप्रकाश ठेकेदार है व मनमोहन वाटिका मैरिज गार्डन के ओनर है। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर हॉकी मंदसौर के संरक्षक यशपाल सिंह सिसोदिया, विनोद जी गर्ग, विशाल गोयल, त्रिभुवन कविश्वर, जिला खेल अधिकारी विजेंद्र देवड़ा, कोच रवि कोपरगांवकर, दिनेश यादव, शैलेंद्र मसीह, खेलो इंडिया एन,आई,एस ,कोच वैभव चौरसिया, मीत चौहान, मंगल बैरागी, ओमप्रकाश गुर्जर, राजेंद्र सिंह, भरत सिंह, शासकीय महाविद्यालय मंदसौर के खेल अधिकारी राजू कुमार, शासकीय महाविद्यालय दलोदा के खेल अधिकारी अब्दुल रज्ञाक, सीनियर खिलाड़ी संजय तोमर, मनोज जैन, अंकित मंडोर, राकेश श्रीवास्तव, भारत देवड़ा, अजय सिंह गौड़, कमलेश शर्मा, शैलेंद्र परिहार, पिंटू आर्थर, डॉ हिमांशु यजुर्वेदी आदि ने बधाई दी व उनकी उज्वल भविष्य की कामना की।

जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रतिबंधात्मक आदेश जारी

मंदसौर, 2 दिसंबर गुरू एक्सप्रेस। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री दिलीप कुमार यादव द्वारा विधानसभा निर्वाचन 2023 के दृष्टिगत जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु निर्वाचन अवधि के दौरान प्रचार-प्रसार जोर-जोर से होने, सार्वजनिक सभाओं, ध्वनि विस्तार यंत्रों, आग्नेय शस्त्रों के सार्वजनिक प्रदर्शन तथा उपयोग एवं लोक शांति कायम रखने, आमजन की सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु दंड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 144 के तहत जिले में प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए।

जारी आदेशानुसार मतगणना स्थल शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मंदसौर में बिना सक्षम प्राधिकारी की लिखित अनुमति के प्रवेश वर्जित रहेगा तथा मतगणना स्थल में कोई भी व्यक्ति पान, बीड़ी, गुटका, तंबाकू, सिगरेट एवं ई-सिगरेट का उपयोग नहीं कर सकेगा। मतगणना स्थल पर आयोग द्वारा अनुमति प्राप्त व्यक्ति ही मोबाइल का उपयोग कर सकेगा, शेष सभी के लिए मोबाइल का उपयोग प्रतिबंधित रहेगा। मतगणना स्थल के आसपास आयुध एवं अन्य प्रकार के अस्त्र-शस्त्र, हथियार धारण करना या लेकर चलना प्रतिबंधित रहेगा। मतगणना स्थल पर ज्वलनशील सामग्री लेकर प्रवेश करना प्रतिबंधित रहेगा। मतगणना समाप्ति के उपरांत कोई भी व्यक्ति, समूह, संगठन, संस्था, अभ्यर्थी इत्यादि बिना सक्षम प्राधिकारी के पूर्व अनुमति के जुलूस आदि का आयोजन किसी भी सार्वजनिक स्थान पर नहीं कर सकेंगे। मतगणना स्थल के आसपास किसी भी प्रकार की नारेबाजी एवं सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने, विभिन्न समूहों के बीच वेमनस्यता उत्पन्न करने वाले नारे लगाने या ऐसी गतिविधियां पूर्ण रूप से प्रतिबंधित रहेगी। यह आदेश सर्वसाधारण को संबंधित है, इसकी तामिल प्रत्येक व्यक्ति पर सम्यकरूपेण करना और उसकी सुनवाई संभव नहीं है। अत: दंड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 144(2) के अंतर्गत यह आदेश एक पक्षीय रूप से पारित किया जाता है। इस आदेश का उल्लंघन करने पर भारतीय दंड संहिता 1860 की धारा 188 के अंतर्गत दंडनीय अपराधी का दोषी होकर उसे विधि के प्रावधानों के तहत अभियोजित किया जाएगा।

320 करोड़ की लागत से तैयार हुआ नाइट लैंडिंग श्री राम एयरपोर्ट

अयोध्या, 2 दिसम्बर। अयोध्या में श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम से पहले ही श्रीराम इंटरनेशल एयरपोर्ट से उड़ानों का सिलसिला शुरू हो जाएगा। इसके लिए आज नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित केंद्रीय मंत्री जनरल वीके सिंह ने निरीक्षण कर अगले पंद्रह दिनों में उड़ानों के शुरू होने की घोषणा की है। अयोध्या में श्रीराम इंटरनेशल एयरपोर्ट से 500 यात्रियों को एक साथ आने जाने की सुविधा रहेगी।दो फेज में इसे बनाया जा रहा है 2200 मीटर लंबा 45 मीटर चौड़ा रनवे बन चुका है। धुंध में भी आसानी से लैंडिंग की जा सकती है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया एवं केंद्रीय मंत्री जनरल वीके सिंह शनिवार को अयोध्या एयरपोर्ट का निरीक्षण किया, राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा से पहले श्री राम एयरपोर्ट को शुरू करने की तैयारी है। डीजीसीए की टीम भी एयरपोर्ट का निरीक्षण कर चुकी है। एयरपोर्ट अथॉरिटी सबसे पहले दिल्ली एवं अहमदाबाद के लिए उड़ान शुरू करेगी। उम्मीद की जा रही है कि आगामी 15 दिनों मे यह उड़ान शुरू हो जाएगी। श्रीराम एयरपोर्ट के निदेशक विनोद कुमार ने बताया की हवाई अड्डे का काम अंतिम चरण में है। रनवे एवं पार्किंग बे पूरी तरह से तैयार हो गया है।

उच्च शिक्षा विभाग ने बढ़ाई तिथि, अगली कक्षा में प्रोन्नत होने के लिए एक माह का समय मिला

भोपाल, 2 दिसंबर गुरू एक्सप्रेस। उच्च शिक्षा विभाग ने यूजी द्वितीय,तृतीय और पीजी तृतीय सेमेस्टर में प्रवेश नवीनीकरण की तारीख 31 दिसंबर तक बढ़ा दी है। इन कोर्सेस में आनलाइन प्रवेश नवीनीकरण के लिए महाविद्यालय के लिए निर्धारित तिथि में वृद्धि की गई है।

विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार सभी सरकारी, गैर सरकारी कालेजों में स्नातक द्वितीय,तृतीय वर्ष एवं स्नातकोत्तर तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों के प्रवेश नवीनीकरण का कार्य संबंधित पाठ्यक्रम के परीक्षा परिणाम घोषित होने के 30 दिन में आनलाइन ई-प्रवेश पोर्टल के माध्यम से करें। अभी तक करीब 50 हजार विद्यार्थियों का नवीनीकरण नहीं हुआ है। उच्च शिक्षा विभाग ने स्नातक द्वितीय, तृतीय वर्ष और स्नातकोत्तर तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों का नाम अगली कक्षा में प्रोन्नत करने के लिए 30 नवंबर तक का समय दिया है। दो माह से चल रही प्रक्रिया के बाद भी नौ लाख विद्यार्थियों का ही प्रमोशन हो सका है।

परीक्षा में शामिल नहीं हो सकेंगे–अगली कक्षा में प्रोन्नत होने के लिए करीब एक लाख विद्यार्थी अब भी शेष हैं। इन विद्यार्थियों के पास अब एक माह का समय है। इसके बाद भी विद्यार्थियों का नाम अगली कक्षा के लिए प्रमोट नहीं किया जाता, तो वह परीक्षा में शामिल नहीं हो सकेंगे। विभाग ने इससे पहले कालेजों को 30 नवंबर तक का समय दिया था। कालेज प्राचार्यों के अनुसार नई व्यवस्था के तहत इन विद्यार्थियों को रिजल्ट आने से पहले ही अगली कक्षा में प्रोन्नत कर दिया है। इसके लिए विद्यार्थियों को 500 रुपये प्रवेश शुल्क के तौर पर देना होते हैं। इनमें से कई विद्यार्थी फेल होने के डर से फीस जमा नहीं करते हैं। फीस जमा न होने से इन विद्यार्थियों का प्रवेश मान्य नहीं होता।

फेल होने पर वापस नहीं होगी राशि–कालेजों में नया शैक्षणिक सत्र एक जुलाई से शुरू हो चुका है, लेकिन प्रथम और द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों की परीक्षा अगस्त-सितंबर तक चली। रिजल्ट में देरी से इन विद्यार्थियों का प्रमोशन समय से नहीं हो सका है। हालांकि उच्च शिक्षा विभाग ने प्रावधिक प्रवेश की व्यवस्था की है, लेकिन इसके लिए विद्यार्थी को 500 रुपये देना होते हैं। विद्यार्थी फेल हो जाता है, तो उसको यह पैसे वापस करने की भी कोई व्यवस्था नहीं है।

व्यंग्य: मैंने तो येइज कहा था

मंदसौर, 2 दिसंबर गुरू एक्सप्रेस। चुनाव के प्रचार के दौरान, व मतदान के

समय से परिणाम आने तक ज्योतिषियों की संख्या बढ़ जाती है गली मोहल्लों के चौराहों पर , पान की दुकान पर अपने अपनी अपनी पार्टी के उम्मीदवार का पान का बीड़ा चबाते वीर , होटेलों के ठीयों , दुकानों पर चुनाव की हवा में आएं जन घोषणा कर रहे होते हैं कि धरमचंद जीतेगा ,कोई कहता है कि करमचंद जीतेगा। ऐसा लगता मानों मतदान कक्ष के मतदान कंपार्टमेंट में जाकर मतदाताओं की किताब उसने पढ़ ली और भविष्य वाणी करने लगा था।कईयों ने तो शर्त भी लगा थी और कइयों ने तो अपने अपने स्तर के अनुसार खाईवाल को नोट तक जमा करा दिये। अप्रत्यक्ष सट्टों की दुकानों पर भीड़ लगने लगी,किसी ने मूंछें कटवाने की तो किसी ने सर मुंडवाने की कसम खायी।

परिणाम आने के बाद अनुमानचंदजी बोलते हैं , मैंने तो येइज कहा था कि येइज जीतेगा। परिणाम आने के बाद पान बीड़ा चबाने वालों का मुंह कड़वा हो गया । मतगणना केन्द्रों से कई ढोलकची अपने ढोल के साथ होटल पर चाय पीने के बहाने से चुपचाप खिसक लिए। किसी ने मुछें कटवाने के डर से मास्क पहन लिया तो किसी की गुलाल किसी ओर के काम आई। अपने वाले को पहनाने वाली फूल मालाएं किसी अन्य को पहनाने के लिए देना पड़ी। कोई नाचे तो कोई चुपचाप इस तरह खिसक लिए की कोई देख न ले। कोई एक दूसरे को कह रहा है अब देख लेंगे सालों को , तो किसीने किसी को किसी बहाने ठोकने की योजना बना ली। गोया उनके इनने चुनाव इसी लिए जीता हो , पहले वे राज धर्म,जनता की नैतिकता धर्म नहीं निभायेंगे। अनुचरों की सेवा के लिए सबसे पहले बदला धर्म निभायेंगे। उनके जबान की धार कलम का भाला कितनों को घायल करेगा ये तो वोइज जाने जिसके ढोल बजे व स्वामी भक्ति के नारे लगे। गोया ये प्रजातंत्र नहीं राजतंत्र हो। अनुमान चंदों ने एक्जिट पोल को पीछे छोड़ दावा किया कि हमने तो येइज कहा था कि येइज जीतेगा।

भगवती प्रसाद गेहलोत, पिपलियामंडी

श्री सत्यनारायण गर्ग की पुण्यतिथि पर गर्ग परिवार द्वारा...

रोटरी आहार केन्द्र में 31 हजार रू. की भोजन सामग्री भेंट की

मंदसौर, 2 दिसंबर गुरू एक्सप्रेस। रोटरी क्लब मंदसौर द्वारा जिला चिकित्सालय मंदसौर में वर्ष 1991 से रोटरी आहार केन्द्र के रूप में स्थाई सेवा

प्रकल्प सतत चल रहा है। जिसमें समाजसेवी स्व. श्री सत्यनारायण गर्ग की पुण्यतिथि पर उनके सुपुत्र हरीश गर्ग, महेश गर्ग एवं रमेश (रम्मू) गर्ग ने 31 हजार रू. की भोजन सामग्री भेंट की। उक्त जानकारी देते हुए रोटरी क्लब अध्यक्ष पवन पोरवाल ने बताया कि रोटरी आहार केन्द्र जिला चिकित्सालय में भर्ती मरीज के परिजनों के लिये नाम मात्र की राशि पर भोजन की व्यवस्था के रूप में मिल का पत्थर साबित हो रहा है। रोटरी का यह आहार केन्द्र 32 वर्षो से निरंतर चल रहा है। जिसके संचालन में नगर के समाजसेवी तन-मन-धन से अपना योगदान देते हैं। आहार सेवा केन्द्र से कर्फ्यू, बाढ़ आपदा एवं कोरोना में भी नि:शुल्क भोजन पैकेट वितरित किये गये थे। आपने कहा कि श्री सत्यनारायण गर्ग हमेशा ही सामाजिक एवं धार्मिक कार्यों में अपनी सक्रिय सहभागिता करते थे। रोटरी सदस्य रमेश गर्ग द्वारा भी रोटरी आहार केन्द्र में समय-समय पर सहयोग दिया जाता है। इस अवसर पर गर्ग परिवार का प्रोजेक्ट चेयरमेन कनक पंचोली व सचिव अनिल चौधरी ने आभार माना।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	61	2110	2450
उडद	19	5701	9521
सोयाबीन	5000	3500	4932
गैहु	1990	2651	3101
चना	111	5002	5700
मसुर	20	4501	5921
धनिया	164	5500	7800
लहसुन	10000	13500	26000
मैथी	477	5827	6941
अलसी	857	4701	5322
सरसो	236	5100	5300
तारामीरा	6	4760	4800
इसबगोल	25	18400	21400
प्याज	5000	560	3500
कलोंजी	49	11501	16899
डॉलर	18	6400	14351
तिल्ली	3	1400	16281
मटरसुखी	13	2181	3373
असालीया	6	9701	10771

बिहार में शादी का झांसा देकर बलात्कार के बाद बेची गई बच्ची महीने भर बाद मंदसौर से छुड़ाई

मंदसौर, 2 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। बिहार के जहानाबाद में अपने कोचिंग सेंटर के बाहर से महीने भर पहले लापता हुई 14 साल की नाबालिग बच्ची चेतना (बदला हुआ नाम) को मध्य प्रदेश के मंदसौर जिले से छुड़ाया गया। मध्य प्रदेश पुलिस, बिहार पुलिस और बचपन बचाओ आंदोलन (बीबीए) की कड़ी मशक्कत और सघन जांच के बाद बच्ची को छुड़ाने में कामयाबी मिली। इस महीने भर के अर्से में बच्ची को बिहार के गया में बेचा गया और फिर एमपी के मंदसौर जिले के एक गांव के 26 साल के एक युवक से उसकी शादी कराई गई जहां से आखिर में उसे बचाया गया।

पीड़ित बच्ची तीन नवंबर को सुबह आठ बजे अपने कोचिंग सेंटर के लिए निकली थी। लेकिन, देर शाम तक जब वह घर नहीं लौटी तो चिंतित परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। लेकिन बच्ची नहीं मिली तो अगले दिन उन्होंने थाने में उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। छुड़ाए जाने के बाद बच्ची ने महीने भर के दौरान रोंगटे खड़े कर देने वाले घटनाक्रम के बारे में जानकारी दी। उसने बताया कि उसके करीबी दोस्त आकाश जिसकी उम्र तकरीबन 20 वर्ष है, ने शादी का झांसा देकर उसे घर छोड़कर जाने के लिए मनाया था। लेकिन, उस दिन आकाश शादी के बहाने अपने दो दोस्तों के साथ उसे जहानाबाद के एक होटल में ले गया। जहां उन सभी ने उसके साथ बलात्कार किया। इसके बाद नाबालिग ने आकाश से विवाह के बारे में कहा तो उसने साफ इनकार कर दिया। सदमे की शिकार चेतना को लगा कि अब वह अपने घर वालों को मुंह नहीं दिखा पाएगी और उसने आत्महत्या करने की सोची। किसी तरह वह होटल से भाग निकली। वह आत्महत्या करने की सोच रही थी कि तभी उसे मध्य प्रदेश का एक व्यक्ति मिला। जिसने भांप लिया कि बच्ची असहाय है और परेशानी की शिकार है। उसने नाबालिग को सब्जबाग दिखाए कि सब ठीक हो जाएगा। कोई रास्ता नहीं देख बच्ची कुछ बेहतर होने की उम्मीद में उसके साथ हो ली। लेकिन उसके बाद जो हुआ वह साबित करता है कि समाज में चेतना जैसी असहाय बच्चियों के लिए कदम-कदम पर कितने खतरे हैं। वह व्यक्ति बच्ची को बिहार के गया ले गया जहां उसने उसे मध्य प्रदेश के एक आदमी को डेढ़ लाख रुपए में बेच दिया। बच्ची को मारा पीटा गया, यातनाएं दी गई और उसी दिन उसका जबरन विवाह करा दिया गया। इसके बाद उसका कथित पति बच्ची को मंदसौर स्थित अपने घर ले गया। जहां उसे दिन में बेरहमी से पीटा जाता और रात को बलात्कार किया जाता।

उधर, चेतना के पिता ने उम्मीद नहीं छोड़ी। बिहार पुलिस और बीबीए की टीम लगातार लगातार बच्ची की तलाश में जुटी रही। बीबीए जो कि बाल विवाह मुक्त भारत गठबंधन का अंग है, इस तरह की स्थितियों में फंसे बच्चों को मुक्त कराने के लिए लगातार काम करता रहा है। बाल विवाह मुक्त भारत गैर सरकारी संगठनों का एक देशव्यापी गठबंधन है जो 2030 तक भारत को बाल विवाह से मुक्त कराने के लिए जमीनी स्तर पर काम कर रहा है। बच्ची की तलाश में सबसे बड़ी सफलता तब हाथ लगी जब पुलिस ने उसे बेचने वाले व्यक्ति का सुराग लगाकर उसे बिहार के अरवल जिले से गिरफ्तार किया। पुलिस ने उसके पास से बच्ची का मोबाइल फोन भी बरामद किया। गिरफ्तार आरोपी के मोबाइल की जांच में उसके खाते में एक जगह से एक लाख और एक अन्य खाते से 50 हजार की राशि जमा होने की जानकारी मिली। इन खातों की जांच से पुलिस मंदसौर के उस गांव तक पहुंची जहां बच्ची को रखा गया था। आखिर में बिहार और मध्य प्रदेश पुलिस के साथ चेतना के पिता और बीबीए की टीम मंदसौर पहुंची और आधी रात को बच्ची को मुक्त कराया। बच्ची को खरीदने वाले कथित पति को गिरफ्तार कर लिया है। बच्ची को बाल कल्याण समिति के समक्ष पेश किया जाएगा, जहां उसकी काउंसलिंग की जाएगी। शुरुआत में बच्ची के लापता होने के बाद पुलिस ने आईपीसी की धारा 366 ए के तहत मामला दर्ज किया था। लेकिन, बीबीए अब आरोपियो के खिलाफ बाल दुर्व्यापार यानी ट्रैफिकिंग से संबंधित धाराएं जोडने की पैरवी कर रहा है।

देश में बाल विवाह और बच्चों की ट्रैफिकिंग के मामलों के आपस में जुड़े होने की ओर संकेत करते हुए बीबीए के निदेशक मनीष शर्मा ने कहा, 'यह एक खतरनाक सच्चाई है कि बाल दुर्व्यापारी चेतना जैसी बहुत सी बच्चियों को विवाह की आड़ में बेच देते हैं। जहां उनसे बलात्कार किया जाता है। इस तरह के आघात और यातना से गुजरने वाला हरेक बच्चा हमारे समाज के चेहरे पर एक तमाचा है। बाल विवाह का खात्मा जरूरी है और यह तभी संभव हो सकता है जब हम इस बुराई की गंभीता को समझते हुए इसके खिलाफ सामूहिक तौर पर युद्ध स्तरीय अभियान छेड़ें।'

नीमच में आज होने वाली मतगणना की सभी प्रशासनिक तैयारियां पूर्ण

मतगणना कक्ष में मोबाईल व अन्य इलेक्ट्रानिक्स डिवाईस ले जाने पर प्रतिबंध रहेगा, कलेक्टर, एसपी एवं एडीएम की उपस्थिति में मतगणना की मॉकडील सम्पन्न

नीमच, 2 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। विधानसभा निर्वाचन 2023 के तहत आज 3 दिसंबर 2023 को शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नीमच में प्रात: 8 बजे से प्रारम्भ होने वाली मतगणना की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। मतगणना केंद्र पर स्थापित स्ट्रांग रूम की थी लेयर सुरक्षा व्यवस्था की गई है। मतगणना स्थल पर 500 से अधिक सुरक्षा जवान तैनात रहेगे।

कलेक्टर श्री दिनेश जैन तथा पुलिस अधीक्षक श्री अमित कुमार तैलानी , एडीएम सुश्री नेहा मीना एवं जिला पंचायत सीईओं श्री गुरु प्रसाद की उपस्थिति में मतगणना तैयारियों के संबंध में शनिवार को मतगणना स्थल पर मॉकडील आयोजित की गई। कलेक्टर श्री जैन ने मतदानकर्मियों को मतगणना के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों, आयोग के निर्देशों, में अवगत कराते हुए कहा कि मतगणना कार्य के दौरान पूरी तरह से सर्तकता एवं तत्परता बरती जाए। कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मतगणना कक्षों में मोबाईल अथवा इलेक्ट्रॉनिक्स कोई भी डिवाईस आदि ले जाने पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा। कलेक्टर ने कहा कि मतगणना स्थल पर सभी लोग अपने लिए नियत स्थान पर ही तैनात रहे। मीडिया सेन्टर में पत्रकारगणों, और मीडियाकर्मियों के अलावा अन्य किसी को भी प्रवेश व बैठने की अनुमति नही रहेगी। मतगणना स्थल पर कॉलेज के पीछे वाले ग्राउण्ड में गणना अभिकर्ताओं, गणनाकर्मियों, पत्रकारगणों और मीडियाकर्मियों के वाहन की पार्किंग रहेगी और पीछे वाले द्वार से ही उक्त के प्रवेश की व्यवस्था रहेगी। मतगणना प्रारंभ होने के दो घण्टे पूर्व सभी को मतगणना स्थल पर अनिवार्य रूप से उपस्थित होना होगा। विभिन्न स्थानों पर साउण्ड सिस्टम के माध्यम से राउण्डवार परिणाम उद्घोषित किए जायेगे। वोटर हेल्पलाईन एप्प के माध्यम से भी आमजन मीडियाकर्मी राउण्डवार परिणामों की अदतन जानकारी प्राप्त कर सकते है।

पुलिस अधीक्षक श्री अमित कुमार तैलानी ने कहा, कि मतगणना स्थल पर स्ट्रांग रूम की सुरक्षा में 120 सुरक्षा जवान तैनात है। शहर में भी सुरक्षा के माकुल इंतजाम रहेगे। उन्होंने कहा कि मतगणना के दिन सिगोली एवं मनासा की तरफ से आने जाने वाले वाहनों का रूट डायवर्ट किया जावेगा। कॉलेज के सामने मैन रोड पर एक लेन से आवाजाही प्रतिबंधित रहेगी।

विधानसभा चुनाव 2023 की मतगणना 3 दिसंबर के दौरान यातायात व्यवस्था विधानसभा निर्वाचन के तहत विधानसभा क्षेत्र क्रं 228 मनासा,229 नीमच ,230 जावद क्षेत्र की मतगणना 3 दिसंबर 2023 को जिला मुख्यालय नीमच मे होगी। विधानसभा निर्वाचन 2023 की मतगणना जिला नीमच में शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मनासा रोड नीमच पर होगी।

सोना-चांदी के दामों में रिकॉर्ड बढ़ोतरी...

एक साल में सोना 10 हजार, चांदी में 14 हजार की तेजी

मंदसौर, 2 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। सोने और चांदी के भाव में लगातार तेजी जारी है। चांदी के भाव 13 साल के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गए है। शुक्र वार को चांदी 75 हजार 200 रुपए प्रति किलो बिकी। वहीं शनिवार-रविवार को मार्केट बंद होता है। इसके पहले चांदी 2011-12 में इसी भाव पर बिकी थी। इधर सोने के भाव भी रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गए और सराफा बाजार में सोना 62 हजार 800 रुपए प्रति दस ग्राम बिका।यह तेजी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दोनों धातुओं के भाव बढ़ने से आई है। इस बार भाव रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गए हैं। इस महीने की बात करें तो सोने के भाव में 1 हजार रुपए प्रति दस ग्राम तो चांदी के भाव में 2400 रुपए प्रतिकिलो की तेजी आई है। बता दे कि एक साल में सोना 10 हजार रुपए दस ग्राम तो चांदी 14 हजार रुपए प्रतिकिलो महंगी हुई है।

इसलिए बढ़े सोने-चांदी के दाम...

भारत में शादियों का सीजन शुरू होने से घरेलू बाजार में खरीदारी निकलना और विदेशों में क्रिसमस की खरीदी निकलना। डॉलर इंडेक्स में कमजोरी। दुनियाभर में स्पेस टेक्नालॉजी में चांदी की खपत बढ़ना। पहले रूस-यूक्रेन और फिर इजराइल-हमास के बीच युद्ध के चलते कई देशों द्वारा सोने की खरीदी करना और दुनियाभर के केंद्रीय बैंकों द्वारा सोना खरीदना।

दोनों धातुओं ने दिया भारी मुनाफा...

इस साल चांदी 14 हजार रुपए महंगी हुई है। 30 नवंबर 2022 को सोने के भाव 52 हजार 750 रुपए प्रति दस ग्राम थे। अब 62 हजार 800 रुपए प्रति दस ग्राम है। वहीं सालभर पहले चांदी 61 हजार 200 रुपए प्रतिकिलो थी। अब भाव 75 हजार 200 रुपए प्रतिकिलो है।

बनी रहेगी तेजी...

सराफा व्यापारियों और जानकारों की माने तो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भाव में तेजी से सोना और चांदी महंगे हो रहे हैं। देश में शादियों की खरीदी बढ़ गई है तो विदेशों में क्रिसमस के कारण खरीदी बढ गई है। यह तेजी आगे भी बनी रह सकती है और सोना 63 हजार 500 रुपए प्रति दस ग्राम और चांदी के भाव 77 हजार रुपए प्रतिकिलो पहुंच सकते हैं। व्यापारियों के अनुसार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खरीदी बढने से भाव में तेजी आई है।

इंटरनेट मीडिया पर फोटो भेजकर छात्रा को ब्लैकमेल करने का प्रयास, युवक गिरफ्तार

रतलाम, 2 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। एक युवक द्वारा छात्रा का निजी फोटो खींचकर फर्जी इंस्टाग्राम आइडी बनाकर छात्रा को भेजने व उसे ब्लैकमेल करने का प्रयास करने का मामला सामने आया है। छात्रा की शिकायत पर औद्योगिक क्षेत्र थाना पुलिस ने सायबर सेल की मदद से आरोपित युवक का पता लगाकर उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, 19 वर्षीय छात्रा ने थाने पर सूचना दी थी कि वह एक लाइब्रेरी में पढाई करती है। किसी अज्ञात व्यक्ति ने 17 अक्टूबर 2023 को लाइब्रेरी के वाशरूम का उपयोग करने के दौरान उसका फोटो खींचकर फर्जी इंस्टाग्राम आइडी से उसे (छात्रा) भेजा दिया। इसके बाद उसने इंस्टाग्राम पर कॉल कर ब्लैकमेल करने का प्रयास किया गया।

सायबर सेल ने आइटी एक्ट में दर्ज किया केस- छात्रा की शिकायत पर अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ भादवि की धारा 354 (ग)तथा आइटी एक्ट की धारा 67 ए में प्रकरण दर्ज किया गया। एसपी राहुल कुमार लोढा ने मामले की गंभीरता को देखकर त्वरित संज्ञान लेते हुए सायबर सेल को अज्ञात आरोपित के बारे जानकारी प्राप्त करने के लिए निर्देश दिया। फेसबुक प्लेटफार्म से फर्जी आइडी की जानकारी ली। सायबर सेल अज्ञात इंस्टाग्राम आइडी के बारे में तकनीकी साक्ष्य एकत्र कर इंस्टाग्राम पर फर्जी आइडी बनाकर छात्रा को फोटो भेजने वाले आरोपित का पता लगाने में जुट गई। फेसबुक प्लेटफार्म से उक्त फर्जी आइडी के बारे में जानकारी प्राप्त की तो पता चला कि उक्त आइडी 20 वर्षीय जार्ज पुत्र क्लेमेंट मैथ्यूज निवासी स्नेह नगर (अस्सी फीट रोड) के नाम से है।

घेराबंदी कर आरोपित को पकड़ा- एएसपी राकेश खाखा व सीएसपी अभिनव कुमार बारंगे के मार्गदर्शन में औद्योगिक क्षेत्र थाना प्रभारी राजेंद्र वर्मा के नेतृत्व में टीम ने घेराबंदी कर शनिवार को आरोपित जॉर्ज मैथ्यूज को गिरफ्तार कर लिया। आरोपित का पता लगाकर उसे गिरफ्तार करने में एसआइ पंकज राजपूत, सायबर सेल के प्रधान आरक्षक मनमोहन शर्मा व आरक्षक आर मयंक व्यास, थाने के आरक्षक नब्बू डामोर, विजय वसुनिया की सराहनीय भूमिका रही।

गणना प्रेक्षक सेनगुप्ता ने मतगणना तैयारियों का जायजा लिया

नीमच, 2 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। मनासा विधानसभा क्षेत्र के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त गणना प्रेक्षक श्री समनजीत सेनगुप्ता का आगमन नीमच हो गया है। प्रेक्षक श्री सेनगुप्ता, ने शनिवार को जिला पंचायत सभाकक्ष में गणना पर्यवेक्षक एवं गणना सहायकों के प्रशिक्षण में शामिल हुए। प्रेक्षक श्री सेनगुप्ता ने स्वामी विवेकानंद महाविद्यालय नीमच में ईवीएम स्ट्रांग रूम परिसर एवं मतगणना केन्द्रे का निरीक्षण कर मतगणना तैयारियों का जायजा लिया और संबधित अधिकारियों को आवश्यहक निर्देश दिए। इस मौके पर कलेक्टणर श्री दिनेश जैन, एडीएम सुश्री नेहा मीना , जिला पंचायत सीईओं श्री गुरु प्रसाद सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

राजनीतिक खबरें प्राथमिकता... पेज 1 से जारी

पड़ेगा। हाल के वर्षों की उत्तराखंड की घटनाओं से भी सरकारों ने कोई सबक नहीं लिया है। पहाड़ों, जंगलों से पेड़ लगातार काटे जा रहे हैं। भारत में वैसे भी प्रति व्यक्ति केवल 28 पेड़ ही बताए गए हैं। संभव है यह आंकड़ा भी घट गया होगा। क्योंकि, प्रतिदिन पेड़ो के कटने की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। ऐसा भी नहीं है कि इससे होने वाले पर्यावरण नुकसान को सरकार उनके अधिकारी और खासकर पर्यावरण विशेषज्ञ नहीं जानते हैं। हमसे बेहतर जानते हैं। नतीजा क्या होने वाला है, पर सुधार करना तो दूर प्रयास होते भी नजर नहीं आ रहे हैं।

जाहिर है यह महत्वपूर्ण खबरें जो हमारे ही देशवासियों का स्वास्थ्य और भविष्य अभी से खराब कर उन्हें कमजोर बना रही है, नहीं बताई जाती है। करदाता लगातार घटते जा रहे हैं किन्तु, जीडीपी को बेहतर बताया जा रहा है। कृषि सकल दर घटते जा रही है, मजदूरों के रोजगार के साथ उनकी मजदूरी घटती जा रही है, जो जीवन के लिए अति महत्वपूर्ण है। लेकिन, इस पर खबर नहीं बनती है। कृषि उत्पादन क्षेत्र भी जलवायु परिवर्तन के कारण लगातार उत्पादन घटता जा रहा है।

जानकारों ने चेताया है कि पृथ्वी का जलस्तर तेजी से घट रहा है। बढ़ते तापमान के कारण पर्यावरण को बचाए रखने वाले कीट मित्र, पशु पक्षियों की संख्या लगातार घटती जा रही है। ऐसे ही अनेकों जनहित की खबरों को अखबारों में तलाशना पडता है। जैसे इनसे किसी को कोई सरोकार ही ना हो, जबकि राजनीतिक और चुनावी खबरें जैसे जीवनदायिनी खबर बन गई हो! ऐसा ही चलता रहा तो हमारी नई पीढ़ी का बौद्धिक, शारीरिक, सामाजिक विकास ठहर जाएगा? जिसका तंत्र पर कब्जा होगा, वही सब कुछ लगभग भगवान जैसा शक्तिशाली हो जाएगा। क्योंकि, हमारी मानसिकता ही ऐसी बनाई जा रही है। जब तक देश, देश की समस्या और प्रगति से पहले राजनीतिक समाचारों को मीडिया प्राथमिकता देगा तो देश की प्रगति रुकना और पिछड़ना जारी रहेगा।

ट्रैक्टर-कार की टक्कर... पेज 1 से जारी

उसे उदयपुर रेफर किया गया। जिसने रास्ते में ही दम तोड दिया। वहीं मृतक के शव का शनिवार को परिजनों की मौजूदगी में पोस्टमार्टम किया गया। इसके बाद शव को परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

वध हेतु गौवंश ले जाने वाले 3 आरोपियों को 2-2 वर्ष का सश्रम कारावास

रामपुरा, 2 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। श्रीमान सक्षम नरूला, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, कैंप रामपुरा, जिला नीमच द्वारा वध हेतु लोडिंग वाहन में गौवंश ले जाने वाले तीन आरोपीगण (1) हरिसिंह पिता नारायणसिंह बंजारा, निवासी-ग्राम ठिकरिया छायन (2) प्रभूलाल पिता दौलतराम लोहार, निवासी-मनासा व (3) धन्नालाल पिता लक्ष्मण रेंगर, निवासी-ग्राम वारबाडिया, जिला नीमच को म.प्र. गौवंश प्रतिषेध अधिनियम, 2004 की धारा 4/9 के अंतर्गत 2-2 वर्ष के सश्रम कारावास व 5000-5000/- रूपये अर्थदण्ड, म.प्र. गौवंश प्रतिषेध अधिनियम, 2004 की धारा 6क/9 के अंतर्गत 1-1 वर्ष के सश्रम कारावास व 5000-5000/- रूपये अर्थदण्ड, म.प्र. गौवंश प्रतिषेध अधिनियम, 2004 की धारा 6ख/9 के अंतर्गत 1-1 वर्ष के सश्रम कारावास व 5000-5000/- रूपये अर्थदण्ड एवं पशु क्रुरता निवारण अधिनियम, 1960 की धारा 11घ के अंतर्गत 50रू अर्थदण्ड से दण्डित किया।

प्रकरण में शासन की ओर से पैरवी करने वाले एडीपीओ रमेश नावडे द्वारा घटना की जानकारी देते हुवे बताया कि घटना 10 वर्ष पूर्व की होकर दिनांक 18.04.2013 की हैं। फरियादी मुकेश राठौर ने पुलिस थाना रामपुरा में तीनों आरोपीगण मय लोडिंग मिनी टेम्पो सहित उपस्थित होकर रिपोर्ट लिखाई की वह तथा महेश सिसौदिया व रामप्रसाद रेगर तीनों ग्राम मदाना से रामपुरा आ रहे थे कि चंद्रपुरा ग्राम की ओर से तीनों आरोपीगण एक लोडिंग टेम्पो लेकर आ रहे थें, जिस पर शंका होने पर उन्होंने टेम्पो को रोका और उसमें देखा की आरोपीगण ने टेम्पो में 2 गाय, 1 भैंस व 1 पाडे को क्रुरतापूर्वक ठुंस-ठुंस कर भरा हुआ था, जो बिलकुल हिलडूल नहीं पा रहे थे। तीनों आरोपीगण के पास पशु परिवहन का कोई परमिट नहीं था तथा वह गौवंश को वध हेतु ले जा रहे थें। फरियादी की रिपोर्ट पर से आरोपीगण के विरूद्ध पुलिस थाना रामपुरा में अपराध क्रमांक 78/13 की प्रथम सूचना रिपोर्ट पंजीबद्ध की गई। पुलिस रामपुरा द्वारा विवेचना उपरांत अभियोग पत्र न्यायालय केंप रामपुरा में प्रस्तुत किया गया। विचारण के दौरान अभियोजन की ओर से न्यायालय में फरियादी व चश्मदीद सहित सभी आवश्यक गवाहों के बयान कराकर आरोपीगण द्वारा वध हेतु गौवंश परिवहन किये जाने के अपराध को प्रमाणित कराते हुए उन्हें कठोर दण्ड से दण्डित किये जाने का निवेदन किया गया, जिस पर से माननीय न्यायालय द्वारा आरोपीगण को उपरोक्त दण्ड से दण्डित किया गया। प्रकरण में शासन की ओर से पैरवी श्री रमेश नावडे, एडीपीओ द्वारा की गई।

डा.यजुर्वेदी 14वी बार राष्ट्रीय सम्मान से सम्मानित

मंदसौर, 2 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। अंचल में विगत लंबे समय से रक्तदान और उससे जुड़ी अनेक गतिविधियों को सतत रूप से एक मिशन के रूप में लेकर सेवा कार्य करने वाले मनोचिकित्सक एवं मोटिवेशनल स्पीकर डॉ हिमांशु यजुर्वेदी को, हेल्प फॉर नीडी फाउंडेशन, भटिंडा, पंजाब के माध्यम से 'नेशनल सेव द ह्यूमिनिटी' अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उनको श्री जगरूप सिंह गिल, विधायक बठिंडा, श्री हरजिंदर सिंह, वेट लिफ्टर लिम्का बुक रिकार्ड होल्डर एवं मंचासिन समाजसेवियों के संयुक्त कर कमलों से प्रदाय किया गया।

इस सम्मान समारोह में देश भर के 20 से अधिक राज्यों के तकरीबन 200 रक्तसेवियों, संस्था प्रमुखों और रक्तसेवा से जुडे रक्तमित्रों को आमंत्रित किया गया था। उल्लेखनीय है की डॉ हिमांशु यजुर्वेदी वर्ष 1997 से रक्तदान के क्षेत्र से जुडकर लगातार इस सेवा कार्य को कर रहे है, जिसके चलते उनके द्वारा अब तक स्वयं 55 बात रक्तदान किया जा चुका है और अनेक व्यक्तियों और संस्थाओं के सहयोग से देशभर में कई जरूरतमंदों को रक्त उपलब्ध करवाया है। इसी सेवा प्रकल्प के चलते अब तक भारत वर्ष के 6 राज्यों में अनेक उपाधियों ब्लड कमांडो, ब्लड मैन, ब्लड मशीन और रक्तवीर जैसी उपाधियों से अलंकृत किया जा चुका है।

वर्तमान में डॉ यजुर्वेदी द्वारा थेलेसिमिया उन्मूलन और जागरण पर प्रदेश स्तर पर कार्य किया जा रहा है ताकि इस बीमारी से होने वाले संतान की उत्पत्ति को रोका जा सके और पीड़ित बच्चो को समुचित उपचार मिल सके।

पूज्य चिन्मयानंद बापू के जन्मदिन पर नगरी में गौ सेवा का आयोजन कल

मंदसौर, 2 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। विश्व कल्याण मिशन ट्रस्ट शाखा मंदसौर द्वारा राष्ट्रीय संत पूज्य चिन्मयानंद बापू के जन्मदिवस 4 दिसंबर सोमवार को लामगिरी नगरी में गौ सेवा का आयोजन रखा गया है।

इस आशय की जानकारी देते हुए मंदसौर शाखा के अध्यक्ष अनिल गुप्ता ने बताया कि पूज्य चिन्मानंद बापू के जन्मदिवस के उपलक्ष में 4 दिसंबर सोमवार को दोपहर 12:00 बजे गुरुदेव कमलमुनि चिन्मयानंद गौशाला लामगिरी नगरी में गौ माता को हरे चारे का आहार करवा कर गौ सेवा की जाएगी एवं उपस्थित भक्तजनों में मिठाई वितरण की जाएगी। सभी भक्तों से अनुरोध है कि पूज्य चिन्मयानंद बापू के जन्मदिवस के उपलक्ष में आयोजित गौ सेवा के कार्यक्रम में सह परिवार उपस्थित होकर सेवा प्रकल्प से जुडे।

एचआईवी पर जैल में बंदियों हेतु कार्यशाला सम्पन्न

मंदसौर, 2 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। विश्व एड दिवस को पखवाडे के रूप में मानया जा रहा है। इसी कडी में जिला जेल में परिरूद बंदियों को एच.आई.वी./एड एवं हेपेटाइटिस की जानकारी जिला एड रोकथाम एवं नियंत्रण इकाई के द्वारा दी गई। इस अवसर पर श्री पी.के.सिंह जेल अधीक्षक ने कहा कि यह बीमारी अभी भी लाइलाज है। इसका कोई टीका या स्थानीय इलाज नहीं बना है। जानकारी एवं सावधानी ही बचाव है। लोगो को एच.आई.वी./ एड के विषय में सही जानकारी होने पर इससे बच सकते है। श्री प्रवीण पुनिया जिला विधिक सहायता अधिकारी ने बतलाया कि एडपर समाज में खुलकर बात नहीं होती। हमें समाज में इस विषय पर बात करना होगी। एच.आई.वी.संक्रमित व्यक्तियों के साथ भेदभाव नहीं करना चाहिए। एच.आई.वी./एडकी सही जानकारी होने पर इसे जुडी हुई भ्रातियॉ भी दूर हो जाती है। इसके साथ ही बतलाया कि विधिक सेवा प्राधिकरण नि:शुल्क वकील की सेवाएँ भी उपलब्ध कराता है। जिसे भी आवश्यकता हो उक्त सुविधा का लाभ विधिक सेवा प्राधिकरण में सम्पर्क कर ले सकता है। डॉ.शुभम सिलावट एपीडिमॉलाजिस्ट ने हेपेटाइटिस के विषय में जानकारी देते हुए बतलाया कि हेपेटाइटिस बी के लिए हाथों की साफ सफाई, पानी एवं खाना सभी स्थानों पर सफा सफाई का ध्याान रख कर इसके के संक्रमण से बचा जा सकता है। इसके लिए वेक्सिन भी लगवाई जा सकती है। श्री राजेश रजक जिला पर्यवेक्षक ने बतालाया कि एच.आई.वी./एड के विषय में माना जाता था कि यह बीमारी कुछ उच्ची जोखिम समुहों में ही होती है। ऐसा नहीं यह संक्रमण समाज में आमजन के बीच आ गया है। इसलिए सभी को आगे आकर इसकी रोकथाम के प्रयास करने होगे। श्री सुनील कुमार बड़ोलिया असिस्टे ट लीगल एड डिफेस काउंसल ने एच.आई.वी. के विषय में बतलाया। कि इसके चार कारण फैलने के होते है इन से दूर रह कर एच.आई.वी./एड से बचा जा सकता है। एच.आई.वी. संक्रमित होने पर मानसिक तनाव आता है। उचित देखभाव एवं चिकित्सरकीय परामर्श से तनाव को दूर किया जा सकता है। संक्रमित होने पर व्यीवहार को सकारात्मवक रखना चाहिए। कार्यक्रम के प्रारंभ में सभी को रेड रिवन लगाकर स्वा गत किया गया। इस अवसर पर श्री रविन्द्र जोशी लेबटेक्निशिन, जेल स्टारफ एवं परिरूद्र बंदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन श्री सूरज पाटीदार ने किया एवं आभार श्रीमती सुभद्रा ठाकुर उप जेल अधीक्षक ने माना।

एजेंसी देना है

शामगढ़, मल्हारगढ़ व धुधड़का में

दैनिक गुरु एक्सप्रेस

की एक और एजेन्सी देना है। इच्छुक व्यक्ति दोपहर 2 से शाम 5 बजे तक संपर्क करें।

9425105927, 28 -07422-495831

कार्यालय दैनिक गुरु एक्सप्रेस

15, नपा मार्केट, नयापुरा रोड़, मंदसौर

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक- आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in